दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शुक्रवार 29 अगस्त-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 250 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

बिहार में राहुल की रैली में पीएम मोदी की मां के खिलाफ अभद्र बयान, भाजपा बोली- उठक-बैठक करके माफी मांगनी चाहिए

नई दिल्ली। बिहार में राहुल गांधी भाजपा और पीएम मोदी के खिलाफ रैली के जरिए जमकर हमला बोल रहे हैं। इस बीच उनकी एक रैली में पीएम मोदी और उनकी मां हीराबेन के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। भाजपा ने इस बात का दावा करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला है। भाजपा ने दावा किया कि इस हफ्ते बिहार चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां हीराबेन मोदी के खिलाफ ₹बेहद अपमानजनक भाषा₹ का इस्तेमाल किया गया। इस कार्यक्रम में विपक्षी नेताओं, कांग्रेस के राहुल गांधी और राजद के तेजस्वी यादव के पोस्टर लगे थे।

बिहार के लोगों को अपमानित किया : एक्स पर पोस्ट में भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन पर राजनीति का स्तर गिराने का आरोप लगाया और कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 'मतदाता अधिकार' यात्रा ने बिहार के लोगों को अपमानित किया है।

बिहार के लोगों को अपमानित किया : एक्स पर पोस्ट में भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन पर राजनीति का स्तर गिराने का आरोप लगाया और कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 'मतदाता अधिकार' यात्रा ने बिहार के लोगों को अपमानित किया है। दरभंगा जिले में हुई रैली का एक 33 सेकंड का वीडियो काफी शेयर किया जा रहा है, जिसमें कांग्रेस के झंडे भी लगे हुए हैं।

भाजपा ने लगाए कांग्रेस पर आरोप : यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस और राजद कार्यकताओं ने कांग्रेस के एक स्थानीय नेता नौशाद के नेतृत्व में मंच पर खड़े होकर पार्टी के झंडे लहराए और नारेबाजी की। भाजपा ने दावा किया कि इसमें प्रधानमंत्री और उनकी मां के खिलाफ 'अपमानजनक' नारे लगाए।

भाजपा ने विपक्षी गठबंधन पर बिहार चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रचार करने के लिए दक्षिणी राज्यों के नेताओं- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनके तेलंगाना समकक्ष रेवंत रेड्डी को आमंत्रित करके बिहारियों का अपमान करने का भी आरोप लगाया।

सांसद के हैप्पी बर्थ-डे से अनुपस्थित रहने पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा बोले-

मैं लखनऊ में था, मुझे मिली फेसबुक से जानकारी, मैंने दी फोन पर बधाई

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वैसे तो भगवा गढ़ की कमल सियासत में दो पावर सेंटर की बात लोकसभा चुनाव के बाद से ही शुरू हो गई। कोई कुछ भी कहे, लेकिन ये माना जाता है कि सबकी नजर इस बात पर थी कि नदी के उस पार वाले क्या बधाई देने आते हैं और चर्चा तब शुरू हुई जब नदिया पार के एक नहीं दो नहीं तीन नहीं बल्कि दस में से दस मंडल अध्यक्ष जन्मदिन में नहीं पहुंचे और साहिबाबाद के विधायक, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा भी सांसद के जन्मदिन से दूर रहे।

एक दल में एक शहर में भी अगर ये अदावत है तो इसके कुछ ना कुछ तो टकराव है। इन सबके पीछे क्या कोई बगावत है। ये जानने के बीच चर्चा को बल त्ब मिला जब लिये दैनिक करंट क्राइम ने कैबिनेट लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के मंत्री सुनील शर्मा से बात की। सुनील जन्मदिन पर मेयर सुनीता दयाल ने उन्हें शर्मा ने कहा कि सत्य बात तो ये है कि फेसबुक पर बाकायदा पोस्टर बनाकर मुझे वास्तव में सांसद अतुल गर्ग के बधाई दी और वो सांसद अतुल गर्ग जन्मदिन की कोई जानकारी नहीं थी को बधाई देने उनके आवास पर भी और जिस दिन उनका जन्मदिन था उस पहुंची।

दिन में लखनऊ में था। उन्होंने कहा शहर विधायक संजीव शर्मा ने कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने एक बैठक सुबह से ही सांसद आवास पर डेरा बुलाई थी और जिस दिन सांसद अतुल डाला और हैप्पी बर्ड-डे को बहुत ही गर्ग का जन्मदिन था उसी दिन मेरी डेढ़ ज्यादा वाला हैप्पी बर्ड-डे बना डाला। बजे की दिल्ली से लखनऊ फ्लाइट थी। मैं सुबह दस बजे घर से निकला था। हमारे एक करीबी रिश्तेदार की हैल्थ ठीक नहीं थी, वो अस्पताल में भर्ती थे। मैंने उन्हें पहले यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया और फिर मैं एयरपोर्ट के लिये रवाना हुआ। लखनऊ पहुंचकर मेरे पास थोड़ी देर का समय था, मैंने तब फेसबुक खोली तो मुझे पता चला कि सांसद अतुल गर्ग का जन्मदिन है। मैंने उसी समय सांसद अतुल गर्ग को फोन मिलाया तो फोन उनके सहायक प्रेम सिंह ने उठाया। उन्होंने बताया कि सांसद अभी बिजी हैं। कुछ देर बाद फोन पर ही मेरी सांसद से बात हुई और मैंने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

आत्मीयता कम या कनेक्टिविटी कम इस पर सोचें हम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मंडल अध्यक्ष क्यों नहीं गए और साहिबाबाद से कितनी दूरी है, इस सवाल पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने खामोश शब्दों के साथ एक दूरी नापी। उन्होंने कहा कि कौन गया और कौन नहीं गया मुझे इसकी जानकारी नहीं है। क्योंकि मैं खुद उस दिन लखनऊ में था। उन्होंने कहा कि जो लोग गए वो भी भाजपा के हैं और जो लोग नहीं गए वो भी भाजपा के हैं। मैं भी भाजपा कार्यकर्ता हूं और सांसद भी भाजपा कार्यकर्ता हैं। इतना कहकर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने अपनी वाणी को विराम दिया, लेकिन यहां बात शब्दों से ज्यादा लहजों की है और भाजपा के साहिबाबाद क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष क्यों नहीं गए इस पर विचार और मंथन का जिक्र है। हालांकि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि मुझे नहीं पता। यह कार्यकर्ता बेहतर जानते होंगे, लेकिन एक सवाल भाजपा में है और वो ये फील करा रहा है कि हो सकता है कि ना जाने के पीछे आत्मीयता कम हो या कनेक्टिविटी कम हो। क्या चीज कम है ये विचार की बात है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि कहीं ना कहीं कनेक्टिविटी की बात है और जाना ना जाना कार्यकर्ता के मन की बात है, लेकिन दूरियों की बात है तो कहीं ना कहीं सियासी मजबूरियों का भी जिक्र हो रहा है।

नगर निगम हो गया जब नाला बनाने में पूरी तरह से अनेबल

जब खुदाई करते हुए आ गई नाले की जमीन के नीचे बिजली की केबल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम की जमीन है और जमीन पर निगम नाला बना रहा है। निगम की जमीन है और जमीन के नीचे बिजली विभाग की केबल है। खुदाई करते समय बिजली विभाग की भूमिगत केबल बाहर आ गई और बिजली विभाग इस केबल के चलते एक महीने से नाला बनाने के लिये खुद को पूरी तरह अनेबल बता रहा है। मामला नगर निगम के वार्ड संख्या-98 का है। ये इलाका इंदिरापुरम का इलाका है। यहां एक नाले का निर्माण हो रहा था। नाला थोड़ा बना है और थोड़ा बन रहा था तभी कुछ दूरी पर बिजली का केबल आ गया। इसके चलते नगर निगम ने काम रोक दिया और फिर लेटर, लेटर वाला मेटर शुरू हुआ।

नगर निगम ने बिजली विभाग को लेटर लिखा कि अंडर ग्राउंड केबल को शिफ्ट करा लें और बताते हैं कि इस चक्कर में एक महीने से काम ही रुक गया। नगर निगम के अधिशासी अभियंता ने इंदिरापुरम के विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता को पत्र लिखा। उन्हें इंदिरापुरम योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे सड़कों और नालों के निर्माण की जानकारी दी। 15 कामों का जिक्र किया और ये बताया कि निर्माण कराने के दौरान जगह-जगह पर नालों और पुलिया के बीच विद्युत विभाग की लाइनें बिछी हुई हैं। जिस कारण कार्यों में बाधा आ रही है। जान-माल की हानि होने की संभावना है।

अब नगर निगम चाहता है कि केबल की अलाइनमेंट हो ताकि खुदाई के समय कोई अप्रिय घटना ना हो। नगर निगम ने अपने सहायक अभियंता, अवर अभियंता के नाम भी दिये और कहा कि इनसे संपर्क किया जा सकता है।

नाले के निर्माण कार्य में बिजली के केबल बाधक : डॉ. अनिल तोमर

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद डॉक्टर अनिल तोमर ने कहा कि नगर निगम द्वारा जो नाले का निर्माण कार्य किया जा रहा है, उसमें बिजली के केबल आड़े आ रहे हैं। उन्होंने बिजली विभाग से मांग की है कि इन केबलों को जल्द से जल्द शिफ्ट किया जाए, ताकि नाले का निर्माण कार्य पूरा हो सके। पार्षद ने बताया कि नाले का निर्माण कार्य बिजली के केबलों के कारण अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे वार्ड के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विभाग से जल्द से जल्द केबल लाइन शिफ्ट करने का आग्रह किया है। वार्ड के लोगों को नाले के अधूरे निर्माण कार्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पार्षद डॉ अनिल तोमर ने की विभाग जल्द से जल्द कार्रवाई करे और केबल लाइन शिफ्ट करे, ताकि नाले का निर्माण कार्य पूरा हो सके और वार्ड के लोगों को राहत मिल सके।

41 चौराहों पर लगने शुरू हुए एचडी कैमरे, नियम तोड़ने वालों के वाहन होंगे ट्रेस

हर थानाक्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थान होंगे कैमरे में कैद

पहले चरण में 300 कैमरों के लगाने की हो गई है शुरुआत

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त रूप से शुरू किए गए अभियान के तहत बड़ा काम शुरू हो गया है। गाजियाबाद में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को अपनाते हुए गाजियाबाद में लगभग 53 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि का प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 15 अक्टूबर तक गाजियाबाद के 41 प्रमुख चौराहों पर हाई डेफिनेशन क्वालिटी के कैमरे को लगाना और यहां रेड लाइट ऑटोमेटिक संचालित होने का काम शुरू किया जाना हैं। इसके लिए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीनों जोन में नगर निगम के सहयोग से कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर निगम और पुलिस के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार प्रथम चरण में गाजियाबाद के विभिन्न इलाकों में 300 के आसपास हाई डेफिनेशन क्वालिटी के कैमरे लगाए जाएंगे। जिसमें दिन हो या रात साफ तस्वीरें, नियम तोड़ने वाले वाहनों की नंबर प्लेट, उसमें बैठे व्यक्ति और आसपास से गुजरने वाले वाहनों की साफ तस्वीरें कैद होंगी।

नगर निगम का ड्रीम प्रोजेक्ट बनेगा कमिश्नरेट के लिए सुरक्षा कवच

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को मजबूत बनाने, वाहनों पर नजर रखने, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करने और कानून व्यवस्था की स्थिति के साथ खिलवाड़ करने वालों को सबक सिखाने के लिए अब पुलिस डंडे का नहीं बल्कि सिस्टम का इस्तेमाल करेगी। गाजियाबाद में प्रथम चरण में 300 ऐसे हाई तकनीक और क्वालिटी वाले कैमरे लगाए जा रहे हैं, जो गाड़ियों में सवार लोगों की साफ तस्वीरें कैद करने के साथ ही किसी भी वाहन की नंबर प्लेट को ऑटोमेटिक जूम करके क्लिक कर लेंगे। उसके बाद जब गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस लोगों के मोबाइल और हाथ से चालान काटने की बजाय तकनीक के जरिए चालान काटने का काम करेगी। बताया जा रहा है कि यह प्रक्रिया 15 अक्टूबर से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीनों जोन में प्रभावित हो जाएगी।

53 करोड़ रुपये हो रहे हैं खर्च

करंट क्राइम : निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता एनके चौधरी ने बताया कि शासन डीपीआर का परीक्षण करा रहा है। परीक्षण पूरा होते ही परियोजना को मंजूरी मिल गई है। योजना के 82 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, योजना पर करीब 53 करोड़ रुपये ही खर्च होंगे। ऐसे में 29 करोड़ रुपये बच गए। यह रकम आईटीएमएस-2 योजना पर खर्च होगी। डीपीआर में आधुनिक कैमरे लगाने के लिए 41 स्थान तय किए गए हैं।

सीसीटीवी फुटेज मिलेगी क्लियर और कैमरे से बचना नहीं होगा आसान

करंट क्राइम : गाजियाबाद के एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद ने जानकारी दी है कि पुलिस के लिए कैमरे लगने के बाद काफी राहत होगी। इससे ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार आने के साथ ही, लोग नियम का पालन करेंगे। उन्हें डर रहेगा कि वह कैमरे में कैद हो जाएंगे। साथ ही उनके ऑटोमेटिक चालान कट जाएगा, इसलिए वह सीट बेल्ट लगाएंगे। हेलमेट का प्रयोग करेंगे और रॉन्ग साइड आने और स्पीड से भी बचेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह बताया है की प्रमुख स्थानों पर जो कैमरे लगाए जा रहे हैं, वो दिन और रात में समान रूप से काम करेंगे। साथ ही यह है 360 डिग्री में मूव कर सकते हैं, जिसका फायदा यह होगा कि किसी भी दिशा में आने वाले वाहन इन कैमरों में कैद हो जाएंगे।

बच ना पाएंगे दुर्घटना कर भागने वाले

करंट क्राइम : पुलिस और नगर निगम के सूत्र बता रहे हैं कि गाजियाबाद के प्रमुख स्थानों पर जो कैमरे लगाए जा रहे हैं वह 110 पैन टिल्स जूम कैमरे लगाए जाएंगे। कैमरों की मदद से दुर्घटना करके भागने वाले चालकों को पकड़ा जा सकेगा। 250 व्हीकल डिटेक्शन कैमरे लगाए जाएंगे। 50 कैमरे एफआरसी कैमरे होंगे। इनसे बदमाशों की पहचान हो सकेगी। 115 कैमरे आरएलवीडी होंगे। इन कैमरों को आईटीएमएस के पहले चरण में भी लगाया जा रहा है।

जम्मू में हुई बरसात और भूस्खलन में उत्तर प्रदेश के 11 लोगों की मौत

मरने वालों में 6 मुजफ्फरनगर के थे, संजीव बालियान ने की परिजनों से मुलाकात

वैष्णो देवी यात्रा में हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 34 हुई

मुजफ्फरनगर, करंट क्राइम। जम्मू-कश्मीर में दो दिन में रिकॉर्ड बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई है। श्रीमाता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग में हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई। इनमें यूपी के 11 लोग शामिल हैं। यह लोग प्रदेश के अलग-अलग जिलों के हैं। इनमें छह लोग मुजफ्फरनगर के थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने गुरुवार को पीडिता परिवार के सदस्यों से मुलाकात की।

भारी बारिश के चलते तावी नदी में भारी बाढ आ गई। जिस कारण जगह-जगह भुस्खलन की घटनाएं हुई। इस भुस्खलन में जान माल का भारी नुकसान हुआ है। मुजफ्फरनगर के 6 लोगों की मौत हो गई है। इनमें टिल्ला निवासी 22 वर्षीय कार्तिक भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरनगर के रामपुरी मोहल्ले के 23 लोग श्रीमाता वैष्णोदेवी की यात्रा पर गए थे। इनमें से 5 लोगों के मरने की सूचना घर पहुंची है। इनमें 9 वर्षीय अनंत व 6 वर्षीय दीपेश भी शामिल है। इसके अलावा 45 वर्षीय ममता व रामवीरी और अंजलि की मौत हो गई है। मृतकों में 2 सगे भाई व मां-बेटी और पड़ोसी शामिल है। ये सभी माता वैष्णो देवी का दर्शन कर नीचे उतर रहे थे, तभी भुस्खलन के शिकार हो गए। संजीव बालियान ने कहा कि मुजफ्फरनगर से 3 दिन पहले यह ग्रुप माता वैष्णो देवी की यात्रा पर गया था। बालियान ने फोन से जम्मू के अधिकारियों से बात की।

वोटर अधिकार यात्रा : आज गोपालगंज आएगा राहुल गांधी और तेजस्वी का रथ

यात्रा में उमड़ रही भीड़ का संकेत है कि जनता का वोट चोरी हुआ!

पटना। आगामी 29 अगस्त को वोटर अधिकार यात्रा के तहत नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी, वीआईपी के संरक्षक मुकेश साहनी और भाकपा-माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य सहित महागठबंधन के सभी शीर्ष नेताओं का गोपालगंज में भव्य स्वागत किया जाएगा।

इस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर मंगलवार को राजद की जिला कार्यसमिति की बैठक जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि नेताओं का स्वागत गोपालगंज सीमा पर मंगलपुर में किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए राजद विधायक प्रेम शंकर यादव, विधायक राजेश सिंह कुशवाहा और जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार साजिश के तहत बिहार के गरीबों और वंचितों को मताधिकार से वंचित करने का प्रयास कर रही है। लेकिन महागठबंधन इसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगा। नेताओं ने दावा किया कि वोटर अधिकार यात्रा को पूरे बिहार में जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। यात्रा में उमड़ रही भीड़ इस बात का संकेत है कि 20 साल पुरानी 'खटारा सरकार' की विदाई इस चुनाव में तय है।

बैठक में यह भी तय हुआ कि नेताओं के स्वागत के लिए पूरे शहर को बैनर, पोस्टर और तोरण द्वार से सजाया जाएगा। यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव और राहुल गांधी दोपहर 2 बजे सरेया स्थित गांधी कॉलेज के खेल मैदान में पहुंचेंगे। वहां एक घंटे के विश्राम के बाद वे रोड शो करते हुए पूरे शहर का भ्रमण करेंगे। यह रोड शो गांधी कॉलेज से निकलकर राष्ट्रीय उच्च पथ-27, स्टेट बैंक चौक, पोस्ट ऑफिस चौक, जंगलिया मोड़, अंबेडकर चौक होते हुए थावे और मीरगंज के रास्ते सिवान में प्रवेश करेगा।

सपा मुखिया अखिलेश यादव 30 अगस्त को राहुल-तेजस्वी संग करेंगे रोड शो

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बिहार के चुनावी रण में उतरने जा रहे हैं. आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए अखिलेश यादव कल यानी 29 अगस्त को बिहार दौरे पर जाएंगे. यह दौरा पहले 28 अगस्त को प्रस्तावित था, लेकिन अब एक दिन आगे बढ़ा दिया गया है. अखिलेश यादव बिहार में 29 और 30 अगस्त को रहेंगे, जहां वह विपक्ष की एकजुटता का संदेश देंगे. अखिलेश यहां बिहार में लोकसभा के एलओपी राहुल गांधी और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के साथ एक संयुक्त रोड शो में शामिल होंगे। कैसा रहेगा अखिलेश यादव का बिहार दौरा? अखिलेश यादव का बिहार दौरा दो दिनों का होगा। वह 29 अगस्त को बिहार पहुंचेंगे और 30 अगस्त को रात में लखनऊ वापस लौटेंगे।

संभल में घटी 30% हिंदू आबादी

450 पन्नों में दर्ज पूरा इतिहास, आयोग ने सीएम को सौंपी रिपोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति डीके अरोड़ा की अध्यक्षता में गठित जांच आयोग ने संभल दंगों की जांच रिपोर्ट सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंप दी है।

लखनऊ, करंट क्राइम। संभल जिले में पिछले साल हुई हिंसा की जांच के लिए बनाई गई कमेटी ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी है। रिपोर्ट में संभल में हिंदुओं की घटती आबादी का भी जिक्र किया गया है। संभल में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस हिंसा की जांच के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति डीके अरोड़ा की अध्यक्षता में जांच कमेटी का गठन किया गया था। इस कमेटी में पूर्व डीजीपी एके जैन और सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद भी सदस्य बनाए गए थे। इस आयोग ने गुरुवार को सीएम योगी को अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी।

तीन सदस्यों वाली समिति ने संभल हिंसा की 450 पन्नों की रिपोर्ट तैयारी की है। इस रिपोर्ट में जांच कमेटी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। जांच कमेटी रिपोर्ट में कहा गया है कि संभल नगरपालिका में वर्ष 1947 में हिंदुओं की आबादी 45 फीसदी थी, जो 2025 में घटकर 15 फीसदी रह गई है। यानी पिछले 78 सालों में हिंदुओं की संख्या में 30 फीसदी की गिरावट आई है। इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि संभल आतंकियों का अड्डा बन गया है। जहां आजादी के बाद से 15 दंगे हुए हैं।

पिछले साल नवंबर में संभल में हुई हिंसा को लेकर रिपोर्ट में कहा गया है कि साजिशकर्ता को इस बात की जानकारी थी कि मस्जिद में सर्वे होना है। इसके लिए प्रशासन ने संभल जामा मस्जिद के प्रबंधन को भी जानकारी दी थी कि वहां सर्वे किया जाना है।

टैरिफ मुद्दा : 'ट्रंप के सामने हिम्मत दिखाते तो वो झुकते', बिंदास बोले अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टैरिफ के मुद्दे पर पीएम मोदी और केंद्र सरकार को घेरा। साथ ही दिल्ली के पूर्व सीएम ने डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। केजरीवाल ने कहा कि अगर अमेरिका ने गुंडागर्दी करके 50 फीसदी टैरिफ लगाया है तो हमें भी सख्त कदम उठाना चाहिए था।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, ₹पिछले दिनों मोदी जी ने ट्रंप के दबाव में ये निर्णय लिया है कि अमेरिका से जो कपास भारत आता है अभी तक उसमें 11 % ड्यूटी लगती थी लेकिन अब ये 11 % ड्यूटी हटा दी गई है और अब अमेरिका से आने वाली कपास पर कोई ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। ये ड्यूटी केवल 40 दिनों (19 अगस्त से 30 सितंबर तक) तक हटाई गई है। ये देश के किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा है। अब जो अमेरिका से कपास आएगी वो भारत के किसानों के कपास से सस्ती होगी। तो भारत के किसान कहां जाएंगे और किसानों का कपास कौन खरीदेगा।₹

50% अमेरिकी टैरिफ पर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 50% टैरिफ लगाया है, तो हमें अमेरिका पर 100% टैरिफ लगाना चाहिए। अमेरिका ने अन्य देशों पर भी टैरिफ लगाया तो उन देशों ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाया, जिसके बाद ट्रंप को झुकना पड़ा लेकिन मोदी जी ऐसा नहीं कर पाए।'

अमेरिका की ओर से भारत पर लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ लागू हो चुका है। लेकिन इससे देश में आक्रोश है। इस बीच आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर अमेरिका ने गुंडागर्दी करके 50 फीसदी टैरिफ लगाया है तो हमें भी इसी तरह का सख्त कदम उठाना चाहिए था।

केजरीवाल ने कहा कि मोदी सरकार ने पीठ पीछे चोरी-चोरी कुछ ऐसे फैसले लिए हैं जो देश के किसानों के लिए धोखा है। अभी 90 से 95 फीसदी किसानों को पता ही नहीं है कि क्या हो गया?

एक और निक्की : हाथ-पांव बांधकर केरोसिन डाला और लगा दी आग, बच्ची ने खोली पोल

नवी मुंबई के एक व्यक्ति ने विवाहेतर संबंध के शक में अपनी 32 वर्षीय पत्नी को कथित तौर पर जलाकर मार डाला। इसके बाद उसने इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। हालांकि बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

नवी मुंबई। उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक पति द्वारा अपनी पत्नी को जलाकर मारने के बाद अब महाराष्ट्र के नवीं मुंबई मुंबई के उरण इलाके से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 35 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी पत्नी के अवैध संबंधों के शक में जिंदा जला दिया।

इतना ही नहीं घटना को अंजाम देने के बाद उसने बचने के लिए आत्महत्या की मनगढ़ंत कहानी गढ़ी। लेकिन फिर उसकी सात साल की बेटी के बयान से उसकी पोल खुल गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पहले हाथ-पांव बांधे फिर केरोसिन डालकर आग लगा दी : पुलिस के मुताबिक, यह घटना 25 अगस्त की तड़के उरण के पगोटेगांव में हुई। उरण पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक हनीफ मुलानी ने बताया कि आरोपी राजकुमार रामशिरोमणि साहू को अपनी पत्नी जगरानी राजकुमार साहू पर विवाहेतर संबंध होने का शक था।

इसी शक में उसने अपनी पत्नी जगरानी को कमरे में बंद कर पहले हाथ-पांव बांधे, फिर उस पर केरोसिन डालकर लाइटर से आग लगा दी।

सात साल की बेटी ने बताया- पापा ने ही लगा दी आग

उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में जब आरोपी की सात साल की बेटी से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसके पिता ने ही मां को आग लगाई थी। इसके साथ ही इलाके की सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। उसमें भी आरोपी को घटना के तुरंत बाद घर से बाहर जाते हुए देखा गया। इससे उसके दावे की पोल खुल गई। अधिकारी ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण सबूत था, इससे आरोपी का यह दावा खारिज हो गया कि वह घटना के समय घर पर मौजूद नहीं था।

पत्नी के रील बनाने से नाराज पति ने फांसी पर लटक कर दे दी जान

बदायूं, करंट क्राइम। आजकल रील बनाने का शौक इतना बढ़ गया कि लोग अपनी जान तक की परवाह नहीं कर रहे है। सोशल मीडिया पर देखा जा सकता है कि कभी कोई ट्रेन के आगे तो कभी भारी बारिश में रील बनाता नजर आता है। लेकिन बदायूं में तो रील बनाने को लेकर ऐसी घटना हो गई है, जिसे सुनकर आप अवाक रह जाएंगे।

यहां पति ने पत्नी को रील बनाने से रोका लेकिन वह नहीं मानी। पत्नी के रील बनाने से नाराज पति इसको सहन नहीं कर पाया। पहले तो पति अपने कमरे में चला गया लेकिन लेकिन कुछ देर बाद फांसी पर लटक कर अपनी जान दे दी।

घटना बदायूं के इस्लाम नगर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, पत्नी की रील बनाने की आदत से पति काफी परेशान था। अक्सर उसे रील नहीं बनाने को कहता था। लेकिन पत्नी मानती नहीं थी। गुरुवार को पत्नी के रील बनाने से टोका तो वह झगडने लगी। इसके बाद भी पत्नी रील बनाने लगी तो नाराज पति अपने कमरे में चला गया तो पंखे से लटक कर जान दे दी।

हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना लागू : महिलाओं को मिलेंगे 2100 रुपये, सीएम नायब सैनी ने किया एलान

पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर होगा शुभारंभ

चंडीगढ़। हरियाणा में दीन दयाल उपाध्याय लाडो लक्ष्मी योजना लागू करने की घोषणा कर दी गई है। योजना 25 सितंबर से लागू होगी। सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इसका एलान किया गया।

कैबिनेट की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में सीएम सैनी ने कहा कि कैबिनेट ने महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और सम्मान के लिए दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करने का निर्णय लिया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर 25 सितंबर 2025 से इस योजना का शुभारम्भ होगा। सीएम ने बताया कि इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। 25 सितंबर को हरियाणा की 23 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। इसमें विवाहित और अविवाहित दोनों ही तरह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। पहले चरण में, उन परिवारों को शामिल किया गया है, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। आने वाले समय में, चरणबद्ध तरीके से अन्य आय समूह को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए अविवाहित महिला का या विवाहित महिला के पति का हरियाणा में पिछले 15 साल से मूल निवासी होना अनिवार्य होगा।

परिवार में महिलाओं की संख्या पर प्रतिबंध नहीं : इस योजना के तहत एक परिवार में महिलाओं की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा।

श्रम कानूनों को लेकर सीएम योगी ने की समीक्षा बैठक

लखनऊ, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में श्रम कानून के सरलीकरण को लेकर गुरुवार को एक समीक्षा बैठक ली। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बड़े औद्योगिक, श्रम सुधारों की ओर बढ़ रहा है। इससे व्यापार आसान होगा और श्रमिकों के हितों की सुरक्षा भी होगी। उन्होंने कहा कि श्रम सुधारों को लेकर सुगम्य व्यापार विधेयक -2025 को जल्द पेश किया जाएगा। इसके तहत राज्य अधिनियमों के 99 प्रतिशत आपराधिक कानून खत्म किए जाएंगे। करीब 13 राज्य अधिनियमों के आपराधिक कानूनों को समाप्त किया जाएगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बनने जा रहा है जो हर कामगार युवा को न्यूनतम वेतन की गारंटी देगा। श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए श्रम कानूनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। शुक्रवार 29 अगस्त -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

नगर निगम कर्मचारी संघ का चुनाव आज

शेर चुनाव चिह्न के साथ अनुराग नागर और घोड़े के साथ रविंद्र कुमार का पैनल है आमने-सामने

- सुबह नौ बजे शुरू होगा मतदान और तीन बजे से होगी नगर निगम में मतगणना

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शुक्रवार को नगर निगम कर्मचारी संघ गाजियाबाद की वर्ष 2025-28 के लिए होने वाली कार्यकारिणी का चुनाव होना है। इस चुनाव में शेर के चुनाव चिन्ह पर अनुराग नागर अध्यक्ष पद, तो मयूर गिरधर उपाध्यक्ष के पद पर अपनी टीम के साथ मैदान में उतरे हैं। तो दूसरे पैनल में घोड़े के चुनाव चिन्ह पर रविंद्र कुमार अध्यक्ष और तो संजय शर्मा उपाध्यक्ष पद के लिए ताल ठोंक रहे हैं। शुक्रवार को होने वाले नगर निगम कर्मचारी संघ गाजियाबाद के इस चुनाव में 345 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करते हुए नई यूनियन के अध्यक्ष और टीम को चुनने का काम करेंगे। इस दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी ब्रजमोहन में जानकारी दी है कि नगर निगम मुख्यालय पर सुबह नौ बजे से मतदान शुरू होगा। जो दोपहर ढ़ाई बजे तक चलेगा। इस दौरान वोटर लिस्ट में मौजूद सभी कर्मचारियों की जांच पड़ताल के बाद मतदान कराया जाएगा। तीन बजे से मतगणना शुरू होगी, इसके बाद देर शाम तक परिणाम आने का अनुमान है। नगर निगम कर्मचारी और सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रविंद्र कुमार अध्यक्ष पद और अनुराग नागर दोनों के बीच कड़ी टक्कर बताई जा रही है। साथ ही दोनों ही पैनल अपनी-अपनी जीत का दावा भी कर रहे हैं।

यह प्रत्याशी हैं चुनाव मैदान में आमने-सामने

करंट क्राइम : नगर निगम कर्मचारी संघ चुनाव में जहां रविंद्र कुमार का पैनल मैदान में है। रविंद्र कुमार अध्यक्ष पद पर हैं, उनका चुनाव चिन्ह घोड़ा है। तो उपाध्यक्ष के लिए संजय शर्मा, उपमंत्री के लिए निजामुद्दीन, संगठन मंत्री के लिए योगेश यादव, प्रचार मंत्री के लिए रमेश चंद्र जोशी, कोषाध्यक्ष रविंद्र पाल, कार्यालय मंत्री संदीप और महामंत्री के लिए कुलदीप शर्मा ने ताल ठोंकी है। तो दूसरी तरफ शेर के चुनाव चिन्ह के साथ अध्यक्ष पद के लिए अनुराग नागर ,उपाध्यक्ष पद के लिए मयूर गिरधर, महामंत्री के लिए महेंद्र प्रताप मोंटी, उप मंत्री के लिए भीम सिंह, संगठन मंत्री के लिए आकाश शर्मा, प्रचार मंत्री के लिए सिराज अब्बासी, कोषाध्यक्ष के लिए सुनील कुमार और कार्यालय मंत्री के लिए विक्रम सिंह के नाम सामने आए हैं। दोनों ही पैनलों के अलावा किसी ने भी नाम नहीं दाखिल किया है और ना ही किसी ने भी नाम वापस लिया है। शुक्रवार 29 अगस्त को नगर निगम परिसर में सुबह नौ बजे से मतदान होना है।

मेडिकल सुविधा से लेकर डीपीसी और अन्य सुविधा हैं प्राथमिकता : अनुराग नागर

करंट क्राइम : नगर निगम कर्मचारी संघ गाजियाबाद के लिए शुक्रवार को चुनाव है। अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ रहे हैं शेर के चुनाव चिन्ह के साथ मैदान में अनुराग नागर का कहना है कि नगर निगम के कर्मचारियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा दिलाना। उनके मकान का जो मामला लंबित है, उसके लिए मजबूत पैरवी, तो प्रमोशन यानी डीपीसी की फाइल को शासन स्तर तक पहुंचाने के साथ ही कर्मचारियों को ऐसी कमरों की सुविधा और उनके उत्थान के लिए अन्य कई योजनाओं को लाने का उनके द्वारा प्लान बनाया गया है। उनको लगातार कर्मचारियों और पूर्व कर्मचारियों का समर्थन मिल रहा है। वह अपनी मजबूत दावेदारी पेश करने के साथ ही जीत का दावा भी कर रहे हैं।

तीन बजे शुरू होगी मतगणना और शाम तक आएगा रिजल्ट

करंट क्राइम : नगर निगम कर्मचारी संघ गाजियाबाद का आज चुनाव है। दो पैनलों के बीच कड़ी टक्कर है। तो दोनों ही अध्यक्ष पद के दावेदार अपनी टीम के साथ जीत का दावा कर रहे हैं। सुबह नौ बजे से मतदान कार्यक्रम शुरू होगा, जो ढाई बजे तक चलेगा। फिर तीन बजे से मतगणना शुरू होकर देर शाम तक परिणाम घोषित किए जाएंगे।

पुलिस और अधिकारियों की भी रहेगी चुनाव पर नजर

करंट क्राइम : नगर निगम कर्मचारी संघ गाजियाबाद का चुनाव आज है। जिसमें नगर निगम मुख्यालय पर पूरा कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें मतदान से लेकर मतगणना और चुनाव विजय होने की घोषणा का कार्यक्रम रहेगा। नगर निगम कर्मचारी संघ के चुनाव को देखकर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। तो वही नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी यूनियन से जुड़े पूर्व और वर्तमान सदस्य भी एक्टिव मोड में देखने को मिलेंगे।

अंतिम दिन संपर्क और वोट मांगने पर दोनों पैनलों ने दिया जोर

करंट क्राइम : गुरुवार को नगर निगम कर्मचारी संघ गाजियाबाद के चुनाव के लिए घोड़े वाले पैनल और शेर वाले पैनल के अध्यक्ष नगर निगम के अलग-अलग जोनल कार्यालयों में पहुंच रहे थे। कर्मचारियों से वोट मांग रहे थे, तो उनको विजय मिले इसकी कामना कर रहे थे। किसी को समर्थन मिल रहा था, तो कोई भीड़ जुटाकर अपना वजूद दिखाता हुआ नजर आया।

कर्मचारियों को मेरे ऊपर है पूरा भरोसा : रविंद्र कुमार

करंट क्राइम : नगर निगम कर्मचारी संघ में घोड़े के चुनाव चिन्ह पर अध्यक्ष पद के लिए ताल ठोंक रहे रविंद्र कुमार का कहना है कि कर्मचारियों को उनपर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा है कि वह कर्मचारियों के नियमितीकरण से लेकर पेंशन योजना, स्वास्थ्य योजना और कर्मचारियों को आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए पूरी मेहनत से काम करेंगे। साथ ही उनके जो वादें और काम रह गए हैं उसे इस कार्यकाल में पूरा करने पर उनका जोर रहेगा। रविंद्र कुमार का कहना है कि कर्मचारी उनपर भरोसा जता रहे हैं और इस बार भी जीत उन्हीं के खाते में आएगी।

क्या है कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा की महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल से मुलाकात के राज

कार्यकारिणी की सिफारिश की है या फिर सामान्य बात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चुनाव का समय हो और मुलाकातों का सिलसिला चले तो फिर कयास भी लगाए जाते हैं। भाजपा में तो वैसे भी चुनाव छोटा हो या बड़ा हो सिफारिश बड़ी हो जाती हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि मंडल वाले चुनाव में केंद्र से सिफारिशें लगी थीं। अब ताजा चुनाव नगर निगम कार्यकारिणी का है और कार्यकारिणी के नामों के लिये विधायक सांसद और मेयर के भी नाम आने हैं। जनप्रतिनिधि संस्तुति करेंगे और नामों पर अंतिम मुहर संगठन को लगानी है। इसके लिये सभी दावेदार जोर लगा रहे हैं और इन सबके बीच

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने गुरुवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंग गोयल से मुलाकात की। उन्होंने मयंक गोयल के पिता महेश गोयल से भी मुलाकात की। अब ये मुलाकात हुई तो बात बाहर आ गई। कार्यकारिणी चुनाव का मौका है और इस मुलाकात के सियासी मायने तलाशे जाने लगे हैं। इसकी वजह भी खास ये बताई जाती है कि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा अपनी विधानसभा में बूथ अध्यक्ष के लिये भी कह सकते हैं, वो कार्यकर्ता के लिये बहुत दूर तक जाते हैं। ये कहा जाता है कि साहिबाबाद विधानसभा में भाजपा के दस में से दस मंडल अध्यक्ष उन्हीं के नाम हैं। ऐसे में जब गुरुवार को कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के आवास पर पहुंचे तो ये खबर खास हो गई। क्योंकि कार्यकारिणी चुनाव का मौका है और कैबिनेट मंत्री ऐसे ही तो नहीं गए हैं। मुलाकातों को लेकर चर्चा होती रही और ये कयास लगाए जाते रहे कि कार्यकारिणी के नामों की सिफारिश हुई है।

करुंगा सिफारिश तो डंके की चोट पर: सुनील शर्मा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा महानगर अध्यक्ष के घर पहुंचे। चुनाव का सीजन है तो इस मुलाकात का क्या रीजन है, ये जानने के लिये दैनिक करंट क्राइम ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा से भी बात की। जब उनसे पूछा गया कि क्या कार्यकारिणी चुनाव के सिलसिले में मुलाकात हुई तो सुनील शर्मा ने इससे इनकार किया और कहा कि राजनीति से इतर कुछ मुलाकातें व्यक्तिगत होती हैं। बहुत दिनों से मेरी मुलाकात मयंक गोयल के पिता महेश जी से नहीं हो पाई। समय मिला तो मैं उनसे मिलने गया। उन्होंने कहा कि मेरी दूसरी मुलाकात महंत नारायण गिरी से होनी थी, लेकिन समय अभाव के कारण उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। निगम कार्यकारिणी चुनाव और उम्मीदवारों की सिफारिश को लेकर उन्होंने कहा कि निगम के सदन की मुखिया मेयर ताकतवर जनप्रतिनिधि हैं और वह जो फैसला लेंगी ठीक ही लेंगी और उन्होंने कहा कि जहां तक कार्यकारिणी उम्मीदवारों की बात है तो संगठन का निर्णय सर्वोपरि होता है। सिफारिश के सवाल पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि अगर मुझे सिफारिश करनी भी होगी तो वो मैं डंके की चोट पर करुंगा। पर फिलहाल कोई सिफारिश की बात नहीं हुई है सिर्फ मुलाकात हुई है।

पीएम मोदी की स्वर्गीय माताजी का अपमान असहनीय : अजितपाल त्यागी

मुरादनगर, करंट क्राइम। भाजपा विधायक अजितपाल त्यागी ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं की यात्रा के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माताजी के लिए बेहद अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया, जो राजनीति की गिरावट की पराकाष्ठा है। त्यागी ने कहा कि राजनीति में ऐसी नीचता पहले कभी नहीं देखी गई। तेजस्वी और राहुल ने पहले बिहार के लोगों का अपमान करने वाले स्टालिन और रेवंथ रेड्डी जैसे नेताओं को बुलाकर बिहारवासियों का अपमान कराया और अब प्रधानमंत्री मोदी की पूज्य स्वर्गीय माताजी को गाली दिलवाना उनकी हताशा की स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राहुल और तेजस्वी ने अपने मंच से इतनी गंदी भाषा का प्रयोग कराया है कि उसे सार्वजनिक मंच पर दोहराना भी संभव नहीं।

अजितपाल त्यागी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह ऐसी गलती है जिसे बिहार की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि राहुल और तेजस्वी अगर हजार बार कान पकड़कर उठक-बैठक कर माफी भी मांग लें, तब भी जनता उन्हें क्षमा नहीं करेगी।

ठाकुर द्वारा शिक्षा संस्थान की दूसरी कमेटी ने की घोषणा

अब डिप्टी रजिस्ट्रार और कोर्ट की बन गई है संभावना

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। ठाकुर द्वारा शिक्षा संस्थान की पहली कमेटी ने अपनी घोषणा की थी और अब इस मामले में दूसरी कमेटी भी आ गई है। दूसरी कमेटी ने 24 अगस्त को चुनाव की बात कही है। इसमें बताया गया है कि हरित कुमार त्यागी एडवोकेट द्वारा ठाकुर द्वारा शिक्षा संस्थान की कार्यकारिणी का चुनाव कराया गया जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित 13 सदस्यीय समिति का चुनाव हुआ। समिति के निर्वाचित प्रबंधक दीपक गुप्ता द्वारा ये सूची जारी की गई जिसमें कहा गया है कि अध्यक्ष पद पर रमेश चंद गोयल, उपाध्यक्ष पद पर डॉ. अरुणा रानी गर्ग, प्रबंधक पद पर दीपक गुप्ता, उप प्रबंधक पद पर अनुराग गोयल और कोषाध्यक्ष पद पर राहुल गोयल का चुनाव हुआ। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में अतुल कुमार गुप्ता, अभिषेक गर्ग, चंद्रमोहन, ज्ञान प्रकाश गोयल, दिनेश कुमार गोयल, विभोर गोयल, शिवांग गोयल और मोहित गुप्ता चुने गए हैं।

इसमें कहा गया है कि श्री ठाकुर द्वारा शिक्षा संस्थान की प्रबंध समिति के इन पदाधिकारियों और सदस्यों के अलावा कोई पदाधिकारी व प्रबंध समिति का सदस्य नहीं है। इसके बाद ठाकुर द्वारा टेंपल एसोसिएशन से जो पांच सदस्य लिये गये हैं उनमें ज्ञानप्रकाश गोयल, दिनेश कुमार गोयल, विभोर गोयल, शिवांग गोयल और मोहित गुप्ता हैं। वहीं 24 अगस्त को ही सब रजिस्ट्रार सोसायटी एण्ड चिट्स को भी पत्र भेजकर दीपक गुप्ता द्वारा ये कहा गया है कि वह श्री ठाकुर द्वारा शिक्षा संस्थान के नवनिर्वाचित प्रबंधक हैं।

श्री ठाकुर द्वारा शिक्षा संस्थान की प्रबंध समिति के इन पदाधिकारियों और सदस्यों के अलावा कोई पदाधिकारी व प्रबंध समिति का सदस्य नहीं है। इसके बाद ठाकुर द्वारा टेंपल एसोसिएशन से जो पांच सदस्य लिये गये हैं उनमें ज्ञानप्रकाश गोयल, दिनेश कुमार गोयल, विभोर गोयल, शिवांग गोयल और मोहित गुप्ता हैं।

23 अगस्त को आम सभा की बैठक की गई थी, जिसकी अध्यक्षता रमेश चंद गोयल ने की थी। बैठक में फोरम पूरा होने के उपरांत आगामी तीन वर्षों के लिये कार्यसमिति का चुनाव पूर्व चुनाव की भांति नियमानुसार तथा समिति के संविधान के अनुसार संपन्न कराया गया। आम सभा की बैठक में चुनाव अधिकारी के रूप में हरित कुमार त्यागी एडवोकेट को नियुक्त किया गया और नियक्त किये गये चुनाव अधिकारी द्वारा ही समिति का चुनाव संपन्न कराया गया।

इस संबंध में 24 अगस्त वाले चुनाव में प्रबंधक चुने गए दीपक गुप्ता ने दावा किया कि उनकी कार्यकारिणी पूरी तरह वैध है। उन्होंने कहा कि हमने समिति संविधान के अनुसार चुनाव संपन्न कराया है। हमारा चुनाव 23 अगस्त को हो गया। आम सभा की मीटिंग बुलाई थी। उन्होंने 30 तारीख वाली मीटिंग को लेकर कहा कि कोई प्रस्ताव नहीं था। हमने शॉर्ट नोटिस पर साधारण सभा की बैठक बुलाई। हमारा चुनाव संविधान सम्मत तरीके से हुआ है।

गौरतलब है कि इस मामले में पहला पक्ष पहले ही अपनी समिति घोषित कर चुका है। बताया जाता है कि यहां मैनेजमेंट कमेटी को लेकर विवाद चल रहा है और विवाद की वैधता का मामला अब डिप्टी रजिस्ट्रार के पास पहुंचेगा और उसके बाद इस बात की प्रबल संभावना जताई जा रही है कि यहां लीगी पेंच फंसेगा और दोनों पक्ष कोर्ट की शरण लेंगे। बहरहाल दोनों ही पक्ष अपने-अपने चुनाव को वैध बता रहे हैं। फिलहाल ये वर्चस्व की लड़ाई मानी जा रही है और मामले में अब कानूनी मोड़ आएगा।

निगम कार्यकारिणी चुनाव क्या असर दिखाएगा शिकायत का पैगाम

- कौन सा नाम हो जाएगा डाउन और किस नाम के सिर पर आ जाएगा क्राउन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। निगम कार्यकारिणी चुनाव की तारीख तय हो गई है और तारीख का ऐलान होने के बाद कार्यकारिणी मेंबर बनने के लिये दावेदारी का घमासान भी मच गया है। संगठन को नाम तय करने हैं और कुछ पार्षदों ने ये ऐलान कर दिया है कि चुनाव तो लड़ा ही जाएगा। इन सबके बीच निगम की कहानी में रोचक मोड़ तब आ गया जब पार्षदों की शिकायत वाला एक लंबा चौड़ा लेटर महानगर अध्यक्ष के नाम आ गया। इस पत्र की प्रतिलिपि प्रदेश अध्यक्ष से लेकर प्रदेश संगठन महामंत्री को भेजी गई है।

शिकायत वाला पत्र प्रदेश स्तर के पदाधिकारी ने लिखा है। इस पत्र में पार्षद नीरज गोयल, पार्षद गौरव सोलंकी, पार्षद हिमांशु शर्मा और पार्षद पति तथा पूर्व पार्षद मनोज गोयल का नाम है। अब अंदाजा यही लगाया जा रहा है कि जब निगम कार्यकारिणी के नाम की बेला आएगी तो इन तीन पार्षदों और एक पूर्व पार्षद के नाम की शिकायत का पैगाम भी आएगा। ये पैगाम इन नामों के लिये क्या रंग लाएगा। माना जा रहा है कि शिकायत वाला पैगाम संगठन स्तर पर पेंच फंसा सकता है। ऐसे में निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष वाले सीन पर भी इसका असर पड़ेगा और सूत्र बताते हैं कि अगर ट्रांस हिंडन के इन नामों का ग्राफ डाउन गया तो ट्रांस हिंडन के ही पार्षद मदन राय का नाम क्राउन वाले सीन में आ जाएगा।

मदन राय पार्षद ग्रुप पर चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं और सूत्र बताते हैं कि मदन राय को ऐसे में बड़ा अशीर्वाद प्राप्त हो सकता है और यदि ऐसा हुआ तो फिर किसी का नाम सीन से आउट हो सकता है। निगम सूत्र बताते हैं कि जिनकी शिकायत दर्ज हुई है उनके नाम पर पेंच फंस सकता है। क्योंकि जब संगठन स्तर पर नामों को लेकर चर्चा होगी तो प्रदेश पदाधिकारी वाला शिकायत का पर्चा भी सामने आ जाएगा और ऐसे में संगठन किसी भी विवाद से बचने के लिये किसी गैर विवादित नाम को आगे करेगा और यहीं से पूरा गेम पलटेगा। वहीं बताया जाता है कि निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष के लिये भी ये शिकायत वाल पत्र एक नया मोड़ लाएगा।

बताते हैं कि नीरज गोयल का नाम शिकायत वाले पत्र में आने के बाद अब निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष वाले सीन से उनकी दावेदारी विलोपित हो गई है। यहां अमित त्यागी का भी नाम चल रहा है, लेकिन सूत्र बताते हैं कि पार्षदों ने ही उनके साथ धरने वाली फोटो और वीडियो सेव कर लिये हैं और वो ये आधार राखेंगे कि अगर धरने को लेकर चार पार्षदों पर नाराजगी है तो फिर धरने पर तो अमित त्यागी भी बैठे हैं, इसिलये उन पर भी मेहरबानी नहीं होनी चाहिए। ऐसे में यहां साइलेंट चल रहे राजीव शर्मा का नाम आ सकता है। फिलहाल मामला रोचक मोड में चल रहा है और अब संगठन के पाले में गेंद आ गई है।

संपादकीय

पहले से हो तैयारी

हिमालय क्षेत्र में उत्तराखंड से जम्मू-कश्मीर तक भारी बारिश और भूस्खलन से तबाही मची है, जिसमें कई लोगों की जान गई है। वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड से 32 लोगों की मौत हो गई और यात्रा रोक दी गई। हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है। उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं। ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है। जनजीवन पर असर जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 32 तक जा पहुंची है। यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है। जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली। राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है।

धराली से जम्मू तक इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार-बार दिख रहा है। इसी महीने की शुरूआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया। फिर चमोली के थराली में आफत बरसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी। मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आई प्राकृतिक आपदा की वजह से जन-धन की हानि हुई थी। भीड़ पर नियंत्रण इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही। धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक, गंगोत्री के रूट पर पड़ता है। इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके।

वॉर्निंग सिस्टम प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है। बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है। मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है। राहत पर फोकस मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट दिया है। दूसरे राज्यों के पर्यटक और श्रद्धालु अब भी विभिन्न जगहों पर फंसे हुए हैं। अभी इन सभी की सुरक्षित घर वापसी और राहत-बचाव पर फोकस होना चाहिए। साथ में, ऐसी नीतियों की जरूरत है, जिसमें पहाड़ों की संवेदनशीलता का ख्याल रखा गया हो।

पीएमजेडीवाई के 11 वर्ष पूरे, पीएम मोदी बोले

स्कीम ने लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की ताकत दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना के प्रभाव की सराहना की। मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा, जब अंतिम छोर तक आर्थिक रूप से जुड़ा होता है, तो पूरा देश एक साथ आगे बढ़ता है। पीएम जन धन योजना ने ठीक यही हासिल किया। इसने सम्मान बढ़ाया और लोगों को अपनी नियति खुद लिखने की शक्ति दी।

उधर, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि पीएमजेडीवाई के तहत पिछले 11 वर्षों में 56 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं, जिनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में सीतारमण ने कहा, ₹पिछले 11 वर्षों में 56 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं। इनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है। डिजिटल लेनदेन को सुविधाजनक बनाने के लिए 38 करोड़ से अधिक निःशुल्क रुपे कार्ड जारी किए गए हैं।

सीतारमण ने कहा, पीएमजेडीवाई के तहत 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, और 56 प्रतिशत खाते महिलाओं ने खोले हैं। यह दर्शाता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले वंचित व्यक्तियों को औपचारिक वित्तीय क्षेत्र में कैसे लाया गया है।

28 अगस्त, 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया, पीएमजेडीवाई दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम₹ है। इसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार को बैंक खाते और वित्तीय सेवाओं तक पहुँच प्रदान करना है। पिछले कुछ वर्षों में, यह योजना लाखों गरीब और वंचित नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने का एक प्रमुख मंच बन गई है।

वित्त मंत्री ने कहा कि इस योजना ने नागरिकों तक सीधे सरकारी लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, पीएमजेडीवाई प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) का उपयोग करके विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ पहुंचाने, ऋण सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने और बचत एवं निवेश बढ़ाने के प्रमुख माध्यमों में से एक रहा है।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इस योजना को एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा, ₹पीएमजेडीवाई न केवल देश में, बल्कि पूरी दुनिया में सबसे सफल वित्तीय समावेशन पहलों में से एक रही है। जन धन योजना सम्मान, सशक्तिकरण और अवसर के बारे में है।

'निर्यातकों की मदद के लिए केंद्र उठा रहा कदम'

बढ़े हुए अमेरिकी टैरिफ के बीच सरकार का दावा

नई दिल्ली। सरकारी सूत्र ने कहा कि निर्यात में विविधता लाने से निर्यातकों को लंबे समय में व्यापार की गति बनाए रखने में मदद मिलेगी। निर्यातकों की मदद के लिए सरकार की ओर से निर्यात संवर्धन मिशन को जल्दी से जल्दी लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह प्रतिक्रिया निर्यातकों की ओर से नकदी के मोर्चे पर मदद मांगने के बाद आई है। सूत्रों के अनुसार यह मुद्दा फिलहाल विचाराधीन है। अधिकार के अनुसार, सरकार को उम्मीद है कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जल्द ही बातचीत शुरू हो जाएगी, नई तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं।

अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव पर वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, यह सर्वविदित है कि 50% टैरिफ व्यापार को प्रभावित करेंगे। अल्पावधि में कपड़ा, रसायन और मशीनरी क्षेत्रों पर इसका प्रभाव पड़ेगा, लेकिन यह बहुत दीर्घकालिक नुकसान नहीं होगा। उद्योग चिंतित है; वे लगातार अपने ज्ञापन भेज रहे हैं। उद्योग ने बताया है कि अल्पावधि में, उनके ऑर्डर कम हो जाएंगे और उन्हें नकदी की कमी का सामना करना पड़ेगा। उन्हें अपना परिचालन चलाने के लिए वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ेगा। वे अल्पावधि में इस नकदी संकट से निपटने में मदद के लिए सरकार को पत्र लिख रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि उनके सुझावों को लागू करने का सबसे अच्छा तरीका निर्धारित करने के लिए सकारात्मक कार्य चल रहा है। उनके सुझाव सरकार के एजेंडे में हैं। हम निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) को जल्द से जल्द लागू करने की कोशिश कर रहे हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बीच FY26 में देश के एविएशन सेक्टर का बढ़ सकता है घाटा

1 लाख करोड़ होने की आशंका

नई दिल्ली। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने कहा वैश्विक चुनौतियों की वजह से भारतीय विमानन क्षेत्र को झटका लग सकता है। उद्योग का घाटा वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 95,000 से 1,05,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। भारतीय विमानन क्षेत्र को वित्त वर्ष 2026 में गहरी उथल-पुथल का समाना करना पड़ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच उद्योग का घाटा वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 95,000 से 1,05,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह घाटा ऐसे समय में सामने आया है जब यात्री यातायात वृद्धि की रफ्तार धीमी हो रही है और विमानों की डिलीवरी लगातार बढ़ रही है।

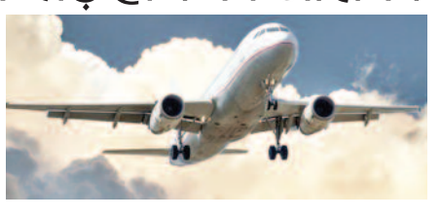

विकास अनुमान में किया संशोधन

आईसीआरए ने वित्त वर्ष 2026 के लिए घरेलू हवाई यात्री यातायात के अपने विकास अनुमान को संशोधित कर 4-6 प्रतिशत कर दिया है। यह पहले के 7-10 प्रतिशत के अनुमान से कम है। एजेंसी को अब घरेलू यातायात के सालाना 172-176 मिलियन यात्रियों तक पहुंचने की उम्मीद है।

कोविड के दौर से कम घाटे का अनुमान हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुमानित घाटे के बावजूद, संख्या महामारी-युग के स्तर से काफी नीचे है।

एविएशन सेक्टर को बेहतर प्राइसिंग का फायदा मिला

आईसीआरए की वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सह-समूह प्रमुख किंजल शाह ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में भारतीय एविएशन सेक्टर को बेहतर प्राइसिंग पावर का फायदा मिला। इसकी वजह से हवाई किरायों में बढ़ोतरी देखने को मिली। यह रुझान हवाई यात्रा की मजबूत मांग से जुड़ा रहा। हालांकि, वित्त वर्ष 2026 में मांग का माहौल ज्यादा सतर्क दिखाई दे रहा है।

भू-राजनीतिक और सुरक्षा कारणों से आई गिरावट

वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में यात्री यातायात वृद्धि दर साल-दर-साल 4.4 प्रतिशत रही। यह सीमा पार से बढ़ते तनाव, उड़ानों में व्यवधान और एक विमान दुर्घटना के बाद यात्रा में मंदी के कारण कम हुई। जुलाई और अगस्त में लंबे समय तक मानसून के साथ-साथ अमेरिकी टैरिफ से व्यापार संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण आने वाले महीनों में व्यावसायिक यात्रा की धारणा और भी कमजोर होने की आशंका है।

ट्रंप के 50% टैरिफ से बाजार में हलचल, सेंसेक्स 705 अंक टूटा

निफ्टी 24600 के नीचे

नई दिल्ली। गुरुवार को भारतीय बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 705.97 अंक गिरकर 80,080.57 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 211.15 अंक गिरकर 24,500.90 अंक पर आ गया। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ की चिंताओं के बीच प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, विदेशी पूंजी के लगातार बहिर्गमन से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे बढ़कर 87.63 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 705.97 अंक या 0.87 प्रतिशत गिरकर 80,080.57 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 773.52 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 80,013.02 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.15 अंक या 0.85 प्रतिशत गिरकर 24,500.90 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक, इंफोसिस, पावर ग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से पिछड़ गए। वहीं टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, मारुति और एक्सिस बैंक लाभ में रहे।

टैरिफ से बाजार में निराशावाद हावी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ लागू होने के बाद निराशावाद हावी हो गया। इससे निवेशकों का रुझान कम हुआ। कपास आयात शुल्क में छूट से टैरिफ के प्रभावों से निपटने के लिए नीतिगत समर्थन की उम्मीदें थोड़ी देर के लिए बढ़ गईं। इससे अल्पकालिक इंट्रा-डे रिकवरी हुई। लेकिन निवेशकों का मूड नाजुक बना रहा। जोखिम-रहित धारणा के बीच लार्जकैप शेयरों में गिरावट आई और मिडकैप व स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन कमजोर रहा।

कपास के शुल्क मुक्त की समयसीमा बढ़ी

सरकार ने गुरुवार को कपास के शुल्क मुक्त आयात को तीन महीने के लिए बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दिया, ताकि अमेरिका में 50 प्रतिशत के भारी शुल्क का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों को मदद मिल सके।

रोचक तथ्यों का करंट

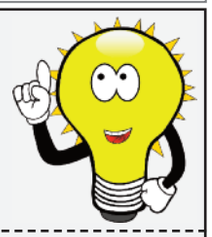

- दुनिया में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला पासवर्ड 123456 है।
- रिपोर्ट के अनुसार, होशियार लोग अपने आप से बातें करते हैं।
- जुराब यानि मोजे पहन कर सोने वाले लोग रात में बहुत कम बार जागते हैं या बिलकुल नहीं जागते हैं।
- कोई भी अपने आप को सांस रोक कर नहीं मार सकता है।
- जरुरत से ज्यादा टेंशन आपके दिमाग को कुछ समय के लिए बंद कर सकती है।
- चीनी को चोट पर लगाया जाता है, तो दर्द तुरंत कम हो जाता है।
- शीर्ष दूध पीने वाला देश फिनलैंड में लगभग 95 गैलन दूध / व्यक्ति / वर्ष है। शीर्ष 5 देश दूध पीने के मामले में सबसे ऊपर हैं, फिनलैंड (361.1 9 किलो), स्वीडन (355.86 किलो), नीदरलैंड (320.15 किलो), स्विट्जरलैंड (315 किलो) और ग्रीस (314.6 9 किलो) हैं।
- एक प्रकार का प्लास्टिक बनाने के लिए दूध का उपयोग किया जा सकता है जो गंधहीन, बायोडिग्रेडेबल, एंटीटिक, पानी में अघुलनशील और लगभग गैर ज्वलनशील है।

राशिफल

मेष : ऐसी गतिविधियों में लिप्त हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। आर्थिक सुधार निश्चित है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ सुकून भरे पल बिताएं।

वृष : आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। इस राशि के लोगों के लिए आज आय के नए रास्ते खुलेंगे।

मिथुन : आज आपके पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। प्रियतम की तबीयत खराब होने के कारण रोमांस से किनारा करना पड़ सकता है।

कर्क : चोट से बचने के लिए सावधानी से बैठें। कमर सीधी करके बैठने से न सिर्फ पर्सनालिटी में निखार आता है, सेहत और आत्मविश्वास का स्तर भी बढ़ता है।

सिंह : आज आपको अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के कई मौके मिल सकते हैं, लेकिन उन पर ध्यान देने से ही आपका काम बन जाएगा।

कन्या : आज आपके प्रेम संबंध एक नया मोड़ ले सकते हैं। जल्दबाजी में निवेश न करें। हर संभव कोण से देखा जाए तो नुकसान हो सकता है।

तुला : आपको अपनी योजनाओं को इस तरह से लागू करना चाहिए कि यह दूसरों के लिए काम करे। निवेश के लिए दिन अच्छा है।

वृश्चिक : आज आपको करियर में कई सुनहरे अवसर मिलेंगे। आज नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

धनु : आज विदेश से मनचाही कंपनी से नौकरी का ऑफर आ सकता है, लेकिन आपको सोच-समझकर इसमें शामिल होना चाहिए।

मकर : यात्रा आपको थकान और तनाव देगी आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगी। सकारात्मक सोच, बातचीत के माध्यम से अपनी उपयोगिता शक्ति का विकास करें।

कुंभ : आज नौकरीपेशा लोगों को विशेष सफलता मिल सकती है। ऑफिस में आज किसी बड़े अधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मीन : आज आपको किसी शुभ कार्य में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। हो सकता है माता-पिता ने आपकी बात को गलत समझा हो।

चुटकुले

पप्पू : असली सुख क्या है?
फेकू : सर्दियों में आलू के पराठे हरी चटनी के साथ खाकर,
धूप में मगरमच्छ की तरह पड़े
रहने में जो सुख है..
उसे ही असली सुख कहा गया है!

भिखारी-बेटा कुछ दे दे
संता-दे दूंगा तो मुझे क्या मिलेगा
भिखारी-बेटा तुझे स्वर्ग मिलेगा
संता-तो चलो मैं तुम्हें दिल्ली देता हूं
भिखारी-अबे दिल्ली क्या तेरी है जो मुझे दे रहा है
संता-तो स्वर्ग तेरे बाप का है क्या जो प्लॉट काट रहा है!

टैक्सीवाला - साहब, ब्रेक फेल हो गये है, गाड़ी रूक ही नहीं रही हैं, क्या करू?
सवारी - पहले तू मीटर बंद कर दे.!

29 08 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

नागार्जुन अक्किनेनी (अभिनेता)

अभिषेक गर्ग (प्रदेश सचिव सपा)

मुकुंद मिश्रा

श्रेष्ठ गुप्ता

प्रगति त्यागी

लक्ष्मी त्यागी

शशि सिंह

अंकित चाहर

अंकित चौधरी

मृत्युंजय कौशिक

राहुल

राज सबरवाल

सुनील शर्मा

तरूण सिंह

मुरली पंडित

कनिष्क फुलारा

अभिनव उपाध्याय

रियाज सलमानी

माधव शर्मा

दिपांशु मित्तल

संजय कुमार सिंह

सुरज कुमार सिंह

ठाकुर तरूण सिंह

योगेश गंभीर

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

गाजियाबाद साइबर क्राइम पुलिस की बड़ी कामयाबी

36 लाख की ठगी करने वाला गैंग सदस्य दबोचा

गाजियाबाद करंट क्राइम : थाना साइबर क्राइम पुलिस ने साइबर अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ठगी गैंग के फरार सदस्य सोपू कुमार उर्फ.सुखुआ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद किया। गैंग ने इंदिरापुरम निवासी महीपाल बिष्ट पैसों से बिटकॉइन खरीदने के नाम पर लगभग 36 लाख रुपये की ठगी की थी।

ऐसे लोगों को ठगता था गैंग

करंट क्राइम : बीमा कंपनी का प्रतिनिधि/लोकपाल बनकर लोगों से संपर्क।

पॉलिसी के पैसों से अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा।

बिटकॉइन खरीदने, ऑनलाइन टास्क और होटल बुकिंग के नाम पर रकम ट्रांसफर कराना। अलग-अलग बैंक खातों में पैसे डलवाकर ठगी को अंजाम देना।

पुलिस द्वारा की गई है बड़ी कार्रवाई

करंट क्राइम : इससे पहले आरोपी विकास कुमार, रवि प्रताप, नवीन प्रताप सिंह, अनुज और गंगू को गिरफ्तार किया जा चुका है। फरार चल रहा आरोपी सोपू कुमार को 28 अगस्त को विजय नगर क्षेत्र से दबोचा गया। पूछताछ में उसने कबूला कि 10% कमीशन के लालच में उसने अपने नाम से बैंक खाते खुलवाए और मोबाइल नंबर गैंग को सौंप दिए थे।

कई राज्यों में फैला नेटवर्क

करंट क्राइम : यह गैंग अब तक तेलंगाना, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में कई साइबर अपराधों को अंजाम दे चुका है। गाजियाबाद में हुई 36 लाख की ठगी इसी गिरोह द्वारा की गई थी। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ितों को राहत मिली है और गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश तेज कर दी गई है।

एसीपी भाष्कर वर्मा ने जूस पिलाकर राखी पहलवान का अनशन खत्म कराया

जल्द ही दोनों पक्षों के बीच वार्ता कराकर विवाद का कराया जाएगा समाधान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सम्मान और स्वाभिमान के साथ ससुराल जाने और महिलाओं की सुरक्षा व अन्य विषयों को लेकर जिला मुख्यालय पर बैठी राखी पहलवान ने अपना आमरण अनशन को खत्म कर दिया। गुरुवार शाम को एसीपी भाष्कर वर्मा ने जूस पिलाकर राखी के आश्वासन के बाद उन्होंने अनशन को खत्म करने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि महिला स्वाभिमान और सुरक्षा को लेकर महिलाओं में जागरूकता लाने के प्रयास में सफलता मिली है।

राखी पहलवान ने 22 अगस्त 2025 से जिला मुख्यालय पर अनशन शुरू किया था। राखी का आरोप है कि ससुराल वालों ने बिना किसी कारण के उन्हें घर से निकाल दिया। इसके अलावा, उनके ससुराल वाले उन पर तलाक का दबाव बना रहे हैं और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। अनशन के दौरान राखी को कई सामाजिक संगठनों का समर्थन भी मिला। राखी ने कहा कि यह मामला केवल एक महिला की नहीं, बल्कि समाज में महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय का भी विषय है।

अनशन को खत्म कराया। इस मौके पर एसीपी भाष्कर वर्मा ने कहा कि राखी पहलवान को न्याय दिलाया जाएगा। जल्द ही राखी और उनके ससुराल वालों के बीच वार्ता कराई जाएगी। सुलह समझौता कराने का पूरा प्रयास किया जाएगा। अनशन के सातवें दिन राखी पहलवान की तबीयब बिगडने पर अनशन तोडने का सुझाव दिया गया। जिसे मानते हुए राखी ने अनशन खत्म करने का फैसला लिया है। राखी ने कहा कि लोगों की सलाह को मानते हुए और एसीपी

शनिवार को खोड़ा कॉलोनी में गरजेंगे नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगीना के सांसद और आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद शनिवार को खोड़ा कॉलोनी आ रहे हैं। वे यहां लोगों से मुलाकात करेंगे, साथ ही लोगों को संबोधित भी करेंगे। दरअसल खोडा के लोग काफी समय से नल से जल की सप्लाई की मांग कर रहे हैं। यह मुद्दा खोड़ा में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया। है पिछले नगर पालिका चुनाव के दौरान सभी दलों के प्रत्याशियों ने नल से जल सप्लाई करने का वादा किया था।

इसके अलावा प्रदेश सरकार ने भी नोएडा से 50 क्यूसेक पानी खोड़ा कॉलोनी को सप्लाई करने की योजना बनाई थी लेकिन नोएडा प्राधिकरण ने इस योजना को खारिज कर दिया। नल से जल की मांग को लेकर थोड़ा में काफी लंबे समय से आंदोलन चल रहा है। इसी आंदोलन में लोगों का समर्थन जताने के लिए आजाद समाज पार्टी ने अब इस मुद्दे को हाथों हाथ ले लिया। पिछले दिनों पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने एक्स पर खोड़ा के लोगों की समस्याओं का जिक्र करते हुए उनके साथ आंदोलन करने की बात कही थी। आजाद समाज पार्टी के नेता सतपाल चौधरी ने कहा कि शनिवार को सांसद चंद्रशेखर आजाद थोड़ा पहुंचकर लोगों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान हुई जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

एशिया कप के जरिये विश्व कप में जगह बनाने पर भारतीय हॉकी टीम की नजरें, पहला मैच चीन से

नई दिल्ली। तीन बार की चैंपियन भारतीय टीम पिछले कुछ अर्से के खराब फॉर्म को भुलाकर पुरूष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीतकर अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी जिसे शुक्रवार को पहले मैच में चीन से खेलना है। भारत और चीन को पूल ए में जापान और कजाखस्तान के साथ रखा गया है जबकि पूल बी में पांच बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया, मलेशिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपै हैं।

पाकिस्तान ने वापस लिया नाम

कजाखस्तान तीन दशक में पहली बार एशिया कप खेल रही है जिसने ओमान की जगह ली है जबकि बांग्लादेश की जगह पाकिस्तान खेल रहा है। अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत के आपरेशन सिंदूर के मद्देनजर पाकिस्तान ने सुरक्षा कारणों से नाम वापिस ले लिया। हर पूल की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी जबकि फाइनल सात सितंबर को होगा। भारत की चिंता का सबब पेनल्टी कॉर्नर भी है जिसमें हरमनप्रीत सिंह पर अधिकांश दारोमदार रहता है। उनकी गैर मौजूदगी में अमित रोहिदास, जुगराज सिंह और संजय अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं। प्रो लीग के यूरोप चरण में गोलकीपिंग भी चिंताजनक रही। पी आर श्रीजेश के संन्यास के बाद कृशन बहादुर पाठक और सूरज करकेरा दबाव में दिखे हैं।

बीडब्लूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर में वांग से भिड़ेंगी सिंधू, सात्विक-चिराग की इनसे होगी टक्कर

नई दिल्ली। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने एक बार फिर अंतिम क्षण में मिली बढ़त की बदौलत बुधवार को मलेयेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने पहले गेम में 12-18 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी लेत्शाना को 42 मिनट में 21-19, 21-15 से शिकस्त दी। अब उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यि से होगा।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के यांग पो हान और लियू कुआंग हेंग को 22-20, 21-13 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल

में प्रवेश किया। इससे पहले ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मोया ryan की जोड़ी को महज 35 मिनट में 21-11, 21-16 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इस 16वीं वरीय भारतीय जोड़ी का सामना हांगकांग के तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। सिंधू मंगलवार को पहले दौर के मैच में बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा के खिलाफ कुछ मुश्किलों से जूझ रही थीं। और लेत्शाना के खिलाफ भी उन्हें लय हासिल करने में दिक्कत हुई। वह शुरू में मलेयेशियाई खिलाड़ी को दबाव में नहीं ला सकीं और पिछड़ती रहीं। पर अंत में वापसी करने में सफल रहीं।

लेत्शाना आक्रामक शुरूआत की जिससे सिंधू 1-4 से पीछे हो गईं। मलेयेशियाई खिलाड़ी ने दबदबा कायम रखते हुए अपने डाउन-द-लाइन स्मैश और तेज नेट प्ले से ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। तकनीकी और शारीरिक रूप से मजबूत लेत्शाना के आक्रामक खेल ने सिंधू की अनिरंतरता को उजागर कर दिया। भारतीय खिलाड़ी पिछड़ती रहीं। मलेयेशिया की खिलाड़ी 18-12 के स्कोर पर नियंत्रण बनाए थीं। पर यहीं सिंधू ने वापसी की।

उन्होंने लगातार छह अंक बनाकर स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया जिसमें लेत्शाना की एक गलती का भी उन्हें फायदा मिला। मलेयेशियाई खिलाड़ी दबाव में एक स्मैश वाइड कर बैठीं। फिर सिंधू ने 19-19 के स्कोर पर संयम बनाए रखा और एक बेहतरीन स्मैश लगाकर गेम प्वाइंट हासिल किया। मैच में पहली बार सिंधू आगे निकलीं। भारतीय खिलाड़ी ने बैकलाइन पर लेत्शाना की कमजोर प्रतिक्रिया से अंक हासिल किया। उन्होंने फिर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के एक और शॉट को लंबा भेजने से गेम अपने नाम कर लिया। सिंधू ने फिर दूसरे गेम में भी यही लय जारी रखते हुए 5-1 से बढ़त हासिल कर ली। मलेयेशियाई खिलाड़ी को अपनी गति बनाए रखने में मुश्किल हो रही थी जिससे सिंधू 7-3 के बाद 9-5 से आगे हो गईं। हालांकि बैकलाइन पर सिंधू कुछ गलतियां भी कर बैठीं। पर एक नेट कॉर्ड विनर से वह 10-6 से आगे हो लीं। इसके बाद सिंधू पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थीं। उनके स्मैश में विविधता से मलेयेशियाई खिलाड़ी परेशान हो गईं। पर भारतीय खिलाड़ी ने सात मैच प्वाइंट हासिल कर लिए और फिर मलेयेशियाई खिलाड़ी के गलत फोरहैंड से मैच जीत लिया। पुरुष युगल में सात्विक और चिराग ने अपनी आक्रामक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए बैककोर्ट से कुछ जबरदस्त स्मैश लगाए। हालांकि भारतीयों ने सर्विस में कई गलतियां कीं। पहले गेम के ब्रेक तक दोनों जोड़ियां बराबरी पर थीं। पर भारतीय जोड़ी शिकंजा कसते हुए 20-16 से चार अंक की बढ़त बना ली।

हालांकि ताइपे की जोड़ी ने लगातार चार अंक हासिल किए जिससे स्कोर 20-20 से बराबर हो गया। फिर चिराग ने वापसी की जिससे भारतीय जोड़ी को एक और गेम प्वाइंट मिला। इस बार उन्होंने बिना कोई गलती किए पहला गेम 22-20 से जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीयों ने 6-3 की बढ़त बना ली। लेकिन लियू और यांग ने मुश्किलें बढ़ा दीं। फिर ब्रेक तक सात्विक और चिराग दो अंक की बढ़त बनाने में कामयाब रहे। ब्रेक के बाद भारतीयों ने लगातार कई अंक जीतकर 16-10 की बढ़त बना ली।

रैकेट तोड़ा...अंपायर से भिड़े, तुनकमिजाजी मेदवेदेव को मिली करतूत की सजा, लाखों रुपये का जुमार्ना लगा

मास्को। रूस के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और पूर्व विश्व नंबर-एक दानिल मेदवेदेव अमेरिकी ओपन 2025 के पहले दौर में हार के साथ ही विवादों में घिर गए। मैच के दौरान कोर्ट पर खेल भावना के विपरीत आचरण और गुस्से में रैकेट तोड़ने के कारण उन पर भारी जुमार्ना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने मेदवेदेव पर कुल 42,500 डॉलर (35.7 लाख रुपये) का दंड ठोका, जो उनकी मैच फीस 1,10,000 डॉलर का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है।

गुस्से की वजहः कोर्ट पर फोटोग्राफर की मौजूदगी

घटना उस समय हुई जब मेदवेदेव अपने प्रतिद्वंद्वी फ्रांस के खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी के खिलाफ तीसरे सेट में खेल रहे थे। बोंजी 5-4 की बढ़त पर थे तभी अचानक एक फोटोग्राफर कोर्ट के किनारे पर चलने लगा, जिससे मेदवेदेव का ध्यान भटक गया। मेदवेदेव ने तुरंत चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ से शिकायत की, लेकिन अंपायर ने फोटोग्राफर को हटाने के बाद बोंजी को फिर से पहली सर्विस की अनुमति दे दी। इसी फैसले से मेदवेदेव भड़क उठे और उन्होंने कोर्ट पर अपना गुस्सा जाहिर किया।

इस घटना के बाद चेयर अंपायर ने फोटोग्राफर को बाहर जाने का आदेश दिया और उसकी मान्यता भी रद्द कर दी गई। बावजूद इसके, मेदवेदेव का गुस्सा कम नहीं हुआ और उन्होंने मैच खत्म होने के बाद अपना रैकेट तोड़कर नाराजगी जाहिर की।

जुमार्ने का ब्योरा

टूर्नामेंट रैफरी ने मेदवेदेव के खिलाफ दो अलग-अलग उल्लंघन दर्ज किए। 30,000 डॉलर खेल भावना के विपरीत आचरण पर और 12,500 डॉलर रैकेट तोड़ने की हरकत पर। इस तरह कुल मिलाकर उन पर 42,500 डॉलर का जुमार्ना लगाया गया।

करियर पर असर और विवादों की बढ़ोतरी

मेदवेदेव के करियर में यह पहली बार नहीं है जब उनका गुस्सा कोर्ट पर सुर्खियां बना हो। पूर्व नंबर-एक खिलाड़ी होने के बावजूद उनकी छवि कई बार अनुशासनहीनता और विवादित बर्ताव के कारण सवालों के घेरे में रही है। इस घटना ने एक बार फिर उनके खेल आचरण को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

खराब फॉर्म से जूझ रहे जोकोविच अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में, जाचारी वाजदा को दी शिकस्त

अमेरिकी ओपन। अमेरिकी ओपन में लगातार दूसरे मैच में नोवाक जोकोविच थके हुए लगे और एक सेट भी गंवाया लेकिन 24 बार के इस ग्रैंडस्लैम चैम्पियन ने समय पर वापसी करते हुए तीसरे दौर में जगह बना ली। जोकोविच का यहां फ्लशिंग मीडोस पर पहले और दूसरे दौर में जीत का रिकॉर्ड 36-0 का हो गया। उन्होंने अमेरिका के 145वीं रैंक वाले क्वालीफायर जाचारी वाजदा को 6-7, 6-3, 6-3, 6-1 से हराया।

जोकोविच 11 जुलाई को विम्बलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनेर से हारने के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रहे हैं। अब उनका सामना ब्रिटेन के कैम नौरी से होगा जिन्हें वह छह बार हरा चुके हैं। नौरी ने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 7-6 (5), 6-3, 6-7 (0), 7-6 (4) से हराया।

वहीं टेलर टाउनसेंड और येलेना ओस्टापेंको की कोर्ट पर तीखी बहस हो गई। युगल में नंबर एक अमेरिका के टाउनसेंड ने दूसरे दौर का मुकाबला 7-5, 6-1 से जीता। इसके बाद उन्होंने कहा कि 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन लाटविया की ओस्टापेंको ने उन्हें कहा कि उनमें क्लास नहीं है और वह पढी लिखी भी नहीं हैं।

वहीं पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंचे पांचवीं वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर ने चोट के कारण नाम वापस ले लिया। 12वीं रैंकिंग वाले कैस्पर रूड को

बेल्जियम के रफेल कोलिंगनन ने 6-4, 3-6, 3-6, 6-4, 7-5 से मात दी।

अल्काराज की दूसरे दौर में आसान जीत

दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने डेढ घंटे से अधिक चले दूसरे दौर में मैच में इटली के 65वीं रैंकिंग वाले मात्तिया बेलूची को 6-1, 6-0, 6-3 से हराकर अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। अल्काराज इस टूर्नामेंट में आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं जिन्होंने अपना सिर मुंडवा रखा है । उनके भाई ने उनके बालों से छेड़खानी की तो उन्होंने सारे बाल ही कटवा लिए। पांच बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन अल्काराज ने पहला खिताब यहीं पर 2022 में जीता था।

वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर का शानदार डेब्यू, 16 गेंदों में लगाए चार ताबड़तोड़ चौके

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 में क्रिकेट प्रेमियों को वीरेंद्र सहवाग की झलक उनके बेटे आर्यवीर सहवाग की बल्लेबाजी में देखने को मिली। महज 17 साल की उम्र में सेंट्रल दिल्ली किंग्स की ओर से डेब्यू करते हुए आर्यवीर ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ 27 अगस्त को अरुण जेटली स्टेडियम में आक्रामक अंदाज में खेल दिखाया।

डेब्यू मैच में 22 रन बनाकर लौटे आर्यवीर

सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे आर्यवीर ने शुरूआत में संयम दिखाया और पहले चार गेंदों पर सिर्फ एक रन बनाया। लेकिन इसके बाद उन्होंने टेस्ट गेंदबाज नवदीप सैनी पर दो शानदार चौके जड़े। एक बेहतरीन कवर ड्राइव पर उनका आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। इसके बाद उन्होंने युवा बाएं हाथ के स्पिनर रौनक वाघेला को भी निशाना बनाया और लगातार दो चौके लगाए। हालांकि उसी ओवर में वे 22 रन बनाकर आउट हो गए। बल्लेबाजी के साथ-साथ आर्यवीर ने मैदान पर अपनी फुर्ती भी दिखाई और ईस्ट दिल्ली के सलामी बल्लेबाज सुजल सिंह का शानदार कैच पकड़ा।

सेंट्रल दिल्ली ने युगल सैनी (32 गेंदों में 52 रन) की ताबड़तोड़ पारी की मदद से 155 रन बनाए। जवाब में ईस्ट दिल्ली की पूरी टीम मात्र 93 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज मनी ग्रेवाल ने घातक गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके। आर्यवीर का क्रिकेट सफर जूनियर स्तर पर ही सुर्खियां बटोर चुका है। कूच बिहार ट्रॉफी में उन्होंने दिल्ली अंडर-19 की ओर से मेघालय के खिलाफ 297 रनों की पारी खेली थी। इसके अलावा वे दिल्ली अंडर-16 और अंडर-19 टीमों में भी लगातार शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं।

सेंट्रल दिल्ली की टीम शीर्ष पर

डीपीएल नीलामी में सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने उन्हें आठ लाख रुपये में खरीदा था। टीम में उनकी जगह तब बनी जब दिल्ली के वरिष्ठ बल्लेबाज यश धुल को दलीप ट्रॉफी खेलने के लिए रिलीज कर दिया गया। फिलहाल सेंट्रल दिल्ली 10 में से 7 मैच जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर है और 29 अगस्त को क्वालिफायर-1 में एक बार फिर ईस्ट दिल्ली से भिड़ेगी।

प्रज्ञानंद ने ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, वेसली सो ने सिंकफील्ड कप जीता

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सिंकफील्ड कप में उपविजेता रहकर ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया जबकि अमेरिका के वेसली सो ने त्रिकोणीय प्लेऑफ मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया। सो ने नौवें और आखिरी दौर में उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया और प्रज्ञानंद तथा फेबियानो कारूआना से ड्रॉ खेला। उन्होंने प्लेऑफ में दो में से डेढ़ अंक बनाए।

प्रज्ञानंद ने अमेरिका के लेवोन आरोनियन से ड्रॉ खेला और कारूआना को हराया, जबकि कारूआना ने टाइब्रेकर में एकमात्र ड्रॉ सो से खेला। फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव ग्रैंड शतरंज टूर में सर्वाधिक अंक पाकर शीर्ष पर हैं। आरोनियन, कारूआना और प्रज्ञानंद भी क्वालिफाई कर चुके हैं।

क्लासिकल वर्ग में सो, कारूआना और प्रज्ञानंद के 5.5 अंक रहे। आरोनियन पांच अंक लेकर चौथे स्थान पर रहे। वाचियेर लाग्रेव, अमेरिका के सैमुअल सेवियान और पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ पांचवें स्थान पर रहे। उनके बाद विश्व चैम्पियन डी गुकेश रहे। फ्रांस के अलीरजा फिरोजा के 3.5 अंक रहे जबकि अब्दुसत्तोरोव के 2.5 अंक रहे।

प्रज्ञानंद ने पहले टाइब्रेक मुकाबले में कारूआना को हराकर जीत की उम्मीदें बढा दी थी, लेकिन वह दूसरे दौर में सो से हार गए जिन्होंने आखिरी दौर में कारूआना को ड्रॉ पर रोककर खिताब जीता।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गरमाया मुद्दा पूर्व पार्षद तेजपाल राणा ने उठाए सवाल

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। गरिमा गार्डन के वार्ड नंबर 64 के पूर्व पार्षद तेजपाल राणा ने स्वास्थ्य सेवाओं की खस्ता हालत पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी के कार्यकर्ताओं की भी पीड़ा साझा करते हुए बताया कि आम लोगों को आपातकालीन चिकित्सा के लिए जीटीबी, एम्स या अन्य सरकारी अस्पतालों में सिफारिश के लिए भटकना पड़ता है, लेकिन अक्सर नेताओं से तत्काल मदद नहीं मिल पाती।

तेजपाल राणा ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि दो साल पहले सफदरगंज अस्पताल में आईसीयू बेड न मिल पाने के कारण उनकी बड़ी बहन का निधन हो गया था। उन्होंने बताया कि कल भी दो अलग-अलग परिवारों की मदद के लिए उन्हें जीटीबी और एम्स जैसे बड़े अस्पतालों में सिफारिश के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।

उन्होंने पार्टी के जनप्रतिनिधियों से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री कार्यालय से एक हेल्पलाइन नंबर जारी करने की अपील की है, ताकि जरूरतमंद लोग सीधे मदद मांग सकें। उन्होंने कहा कि ऐसे बड़े मंत्रालयों का क्या फायदा जो आम आदमी की पहुंच से बहुत दूर हों। तेजपाल राणा ने मीडिया से भी अपील की कि वे अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से सवाल करें कि उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से कितने लोगों को मदद दिलाई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार जरूरी है और हर नागरिक को समय पर उचित उपचार मिलना चाहिए। यह मुद्दा सिर्फ गाजियाबाद ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है।

इंदिरापुरम मंगलम सोसायटी के बिजली पैनल में लगी आग

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के अभय खंड के मंगलम सोसायटी में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही पार्षद हरीश कड़ाकोटी ने तुरंत फायर ब्रिगेड को बुलाया और स्थानीय पुलिस को अवगत कराया। साथ ही, बिजली विभाग के इंजीनियर को भी मौके पर बुलाकर आग पर काबू पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पार्षद हरीश कड़ाकोटी और महेंद्र कांडपाल ने तुरंत कार्रवाई की। फायर ब्रिगेड और स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि आग लगने से कोई जनहानि नहीं हुई। सभी निवासी सुरक्षित हैं। पार्षद की तत्परता से आग पर काबू पाया गया और बड़ा हादसा टल गया।

वसुंधरा के गोकुल धाम में किशोरों ने किया गणेश पूजन

साहिबाबाद, करंट क्राइम। वसुंधरा सेक्टर 12 की गोकुल धाम सोसाइटी में, 15 वर्ष से कम आयु के किशोरों ने मिलकर एक गणेश पूजा का आयोजन किया। उन्होंने एक सुंदर पंडाल बनाया, गणपति की मूर्ति स्थापित की, और पूरी विधि-विधान से पूजा की।

इस आयोजन में मुख्य रूप से चिंटू, लक्ष्य और ओम नामक किशोरों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूजा समिति के सदस्य चिंटू ने बताया कि भगवान गणेश को बुद्धि, विवेक और संस्कारों का देवता माना जाता है, और उनकी कृपा से जीवन में सफलता मिलती है। इस आयोजन से गोकुल धाम के निवासियों में उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है। किशोरों की इस पहल ने उनमें धार्मिक आस्था और उत्साह को बढ़ाया है।

गाजियाबाद पुलिस को आत्मरक्षा का 'कवच'

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस बल की कार्यकुशलता और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए पुलिस आयुक्त के निर्देशन में कवच टीम द्वारा दो दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शुरू किया गया। इसमें महिला और पुरुष दोनों वर्ग के करीब 200 पुलिसकर्मी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं कानून व्यवस्था अशोक प्रियदर्शी और पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण का संचालन सहायक पुलिस आयुक्त वेवसिटी प्रियाश्री पाल के नेतृत्व में हो रहा है।

आधुनिक तकनीक और आत्मरक्षा कौशल

करंट क्राइम : प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को आपात स्थितियों में आत्मनिर्भर बनाना और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसमें आधुनिक तकनीक, आत्मरक्षा कौशल और तनावमुक्त कार्य वातावरण जैसे पहलुओं पर जोर दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कवच संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा दिया जा रहा है, जो सेना और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों को भी ट्रेनिंग दे चुकी है।

मकनपुर गाँव वार्ड 57 की बुझेगी प्यास

पार्षद राधेश्याम त्यागी ने किया सबमर्सिबल का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम) : इंदिरापुरम के गाँव मकनपुर, वार्ड-57 में पानी की पुरानी समस्या का समाधान हो गया है। गुरुवार को यहाँ के पार्षद राधेश्याम त्यागी ने एक अत्याधुनिक 30 हॉर्सपावर का सबमर्सिबल पंप शुरू किया। इस नई पहल से गाँव के लोग बेहद खुश हैं।

30 साल पुरानी समस्या का अंत : गाँव वालों ने बताया कि पिछले 30 सालों से वे पानी की किल्लत से जूझ रहे थे, लेकिन कोई स्थायी हल नहीं निकल पाया था। पार्षद राधेश्याम त्यागी ने केवल दो साल के भीतर इस समस्या को खत्म कर दिया। ग्रामीणों का मानना है कि यह कदम गाँव के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा, जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को भी मिलेगा।

विकास की ओर एक बड़ा कदम : पार्षद राधेश्याम त्यागी ने कहा कि यह नया सबमर्सिबल पंप गाँव की पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जल्द ही गाँव में दो और पंप लगाए जाएँगे, ताकि किसी भी मौसम में पानी की कमी न हो।

स्वास्थ्य और सुविधा में सुधार : गाँववासियों ने इस काम को विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उनका कहना है कि पर्याप्त और साफ पानी मिलने से गाँव के स्वास्थ्य और स्वच्छता में भी सुधार होगा।

अब बच्चों और महिलाओं को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनका समय और ऊर्जा दोनों बचेंगे। ग्राम समाज के प्रतिनिधियों ने पार्षद राधेश्याम त्यागी को धन्यवाद दिया और उनके इस प्रयास को गाँव के समग्र विकास की मिसाल बताया।

राजेंद्र नगर में श्री रामलीला कमेटी ने किया भूमि पूजन

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। राजेंद्र नगर स्थित गोलपार्क में श्री रामलीला कमेटी द्वारा रामलीला मंचन से पूर्व भूमि पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर कमेटी के सभी सदस्यों ने मिलकर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में कमेटी के अध्यक्ष रमाकांत पांडे, मुख्य संयोजक एस.पी. सिंह, महामंत्री राम जी झा, और कोषाध्यक्ष राकेश सूद सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान सभी ने रामलीला के सफल आयोजन और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर सुरेंद्र भारती, धर्मेंद्र दुबे, अमन ठाकुर, अजय कुमार, सतीश सिंह, अजय सिंह, कामेश्वर सिंह, राणा प्रताप सिंह, दिलीप गुप्ता, चंदन झा, राजेश शर्मा, अमित बिष्ट, अर्जुन कुशवाहा, एस.डी. पाठक, नादिर अली, कन्हैया जी, और हीरालाल यादव जैसे सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कमेटी के सदस्यों ने बताया कि इस भूमि पूजन के बाद अब रामलीला की तैयारियों को गति दी जाएगी और जल्द ही मंचन का कार्य शुरू होगा।

क्या फिर रैंकिंग को लेकर मचेगा शोर

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में तमाम तरीके के नए-नए अभियान, प्रयास और आयोजन हो रहे हैं। तो कुछ ही सुर्खियां बटोर रहे हैं, तो कुछ को लेकर कानाफूी भी हो रही है। इन सबके बीच शोर मचा है कि क्या पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में फिर से रैंकिंग का असर देखने को मिलेगा। उधर सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरह से पिछले दिनों बड़े साहब के द्वारा आइजीआरएस, विवेचनाओं में गुणवत्ता और पड़ोसी कमिश्नरेट के साथ ही राज्य की पुलिस से वर्किंग को लेकर इनपुट आया है, उसका असर देखने को मिलेगा। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि इस बार की आईजीआरएस वाली रैंकिंग पर कई स्तर के अधिकारियों की नजर रहने वाली है। तो खुद थाने के साथ ही एसीपी, प्रभारी, चौकी प्रभारी बेहद गंभीरता से इसको देख रहे हैं, पर सवाल उठ रहा है कि क्या परिणाम पक्ष में आएगा या मामला फिर फजीहत वाला ही होकर रहेगा। वैसे पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरीके से गुरुवार को देहात वाले जोन में एक कार्यक्रम चलाया गया, उसकी पुलिस के अधिकारियों के बीच चर्चा हो रही है।

सवाल उठ रहा है कि जो खाकी लंबी ट्रेनिंग लेकर आई है, उसे ऐसे निजी कर्मचारियों से प्रशिक्षण देने की आवश्यकता क्या पड़ गई। मामला चाहे जो हो पर इसकी चर्चा कई स्तर पर हो रही है। पुलिसिंग की दशा व दिशा सुधारने के लिए कुछ नया होना आवश्यक है लेकिन उसकी गरिमा और गौरव का ध्यान रखना चाहिए। उधर पुलिस कमिश्नरेट के सूत्रों ने बताया है कि जिस तरीके से थानों पर बहुत सारे बदलाव चल रहे हैं, तो आने वाले दिनों में थाने पर पैरवी अफसर नजर आएंगे। जो टू-स्टार होंगे, उसके लिए बाकायदा वर्किंग चल रही है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में सुनने में आ रहा है कि जिस तरीके से एक आईपीएस का तबादला होने और नए आने का मामला बना है, उसके बाद कमिश्नरेट में पहले से मौजूद एक वरिष्ठ अधिकारी को लेकर आने वाले दिनों में क्या रुख रहेगा, यह देखा जाना महत्वपूर्ण रहेगा। वैसे सूत्र बता रहे हैं कि आने वाले दिनों में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कुछ और परिवर्तन भी देखने को मिल सकते हैं। यह बदलाव डीसीपी, एडीसीपी के साथ ही एसीपी स्तर पर भी देखने को मिल सकता है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में चर्चा है की रैंकिंग को लेकर इस बार कमिश्नरेट वाले सिस्टम में बेहद ध्यान दिया जा रहा है।

सी.एस.एच.पी. पब्लिक स्कूल के तीन छात्र स्वर्ण पदक से सम्मानित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सी.एस.एच.पी. पब्लिक स्कूल के तीन होनहार छात्रों को लायंस ओलंपियाड दिल्ली द्वारा स्वर्ण पदक से नवाजा गया है। स्कूल के ये विद्यार्थी अंशुमन, खुशी बिष्ट, और वंशिका हैं, जिन्हें उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए यह सम्मान मिला। इस विशेष अवसर पर, स्कूल की प्रधानाचार्या ममता शर्मा ने छात्रों की सफलता पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह स्कूल के लिए गर्व का क्षण है और यह सम्मान विद्यार्थियों की मेहनत, लगन, और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय छात्रों के माता-पिता के समर्थन और शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन को भी दिया। उन्होंने यह भी बताया कि परिवार और शिक्षक दोनों ही एक छात्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लायंस ओलंपियाड द्वारा इस तरह की प्रतियोगिताओं और सम्मान समारोहों को एक प्रशंसनीय पहल बताया। उनका मानना है कि यह आयोजन छात्रों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें प्रोत्साहित करता है और उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करता है। ऐसे मंच छात्रों को अपनी क्षमताओं का आकलन करने और वैश्विक स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर भी देते हैं। इस सम्मान समारोह में शिक्षक, अभिभावक और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। सभी ने सम्मानित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल को दिया और कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगा। इस कार्यक्रम में इंडिपेंडेंट स्कूल फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष जी.पी. गुप्ता, स्कूल की निर्देशिका सविता गुप्ता, और स्कूल की प्रधानाचार्या ममता शर्मा भी मौजूद थीं। कार्यक्रम का समापन एक उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ।

नेहरू वर्ल्ड स्कूल में 'क्रियो-2025' का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद के नेहरू वर्ल्ड स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम क्रियो-2025 (सांस्कृतिक उत्सव) का भव्य शुभारंभ गुरुवार को स्कूल परिसर में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन स्कूल के एग्जीक्यूटिव हेड टीचर सुसन होम्स, निदेशक सोनल आनंद सिंह और निर्णायक मंडल के सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। अतिथियों का स्वागत एग्जीक्यूटिव हेड सुसन होम्स ने किया। यह उत्सव लगभग एक महीने तक ऑनलाइन, ऑफलाइन और रिकॉर्डेड वीडियो के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। रिकॉर्डेड वीडियो 7 अगस्त तक आमंत्रित किए गए थे, जबकि ऑनलाइन प्रतियोगिताएँ 25 से 27 अगस्त, 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर संपन्न हुईं। ऑफलाइन प्रतियोगिताएँ 28 से 30 अगस्त, 2025 तक स्कूल परिसर में आयोजित होंगी।

इस अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव में 56 तरह की प्रतियोगिताओं में देश-विदेश के 168 स्कूलों के 3365 छात्र भाग ले रहे हैं। इनमें आर्ट एंड क्राफ्ट, फोटोग्राफी, पर्यावरण, प्रौद्योगिकी, वक्तृत्व, संगीत-नृत्य, रचनात्मकता, गणित और इतिहास से संबंधित प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। कुछ प्रतियोगिताएँ प्रतिस्पर्धी, कुछ अप्रतिस्पर्धी और कुछ मिश्रित होंगी।

ऑफलाइन प्रतियोगिता के पहले दिन कुल 6 प्रतियोगिताएँ हुईं, जिनमें लंदन, यूएई, कतर, मालदीव, नेपाल, नॉर्वे, दिल्ली, गुरुग्राम, बुलंदशहर, गाजियाबाद, नोएडा, अमृतसर, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, झारखंड, हरियाणा, मध्य प्रदेश, हैदराबाद, वाराणसी और एनसीआर के स्कूलों के छात्रों ने हिस्सा लिया। मेजबान स्कूल होने के नाते, नेहरू वर्ल्ड स्कूल ने अपने छात्रों को प्रतिस्पर्धी तो बनाया है, लेकिन उन्हें मिलने वाले पुरस्कार अगले स्थान पर आने वाले स्कूलों के साथ साझा किए जाएँगे, ताकि नया जोश भरा जा सके।

इस मौके पर स्कूल के निदेशक के.पी. सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य युवा पीढ़ी को एक ऐसा मंच देना है, जहाँ उन्हें अपने रचनात्मक व्यक्तित्व को निखारने और अपनी आंतरिक प्रतिभाओं को व्यक्त करने का अवसर मिले।

भगवागढ़ के अफसर हैं पोलिटिक्ली बहुत मजबूत

भगवागढ़ के नेता इस बात से गदगद हैं कि वो सरकार में हैं और पहले के पांच साल और अब के तीन साल फूल वालों के बुरे हाल की गवाही हैं। शुरू में तो वो हर आने वाले मंत्री से इस बात की तकरार कर भी लेते थे कि हमारी सरकार है और कोई नहीं सुन रहा। लेकिन अब फूल वालों ने खुद को अपने हाल पर छोड़ दिया है। अब एक्स आईएएस या पूर्व एडीजी आयें वो कुछ नहीं कहते। फूल वाले नेता ने ही कहा कि चाहे वो हमारे मंत्री हों, चाहे वो संगठन के नेता हों, वो इस बात को समझ लें कि उनका अफसरों के सामने कोई वजूद नहीं हैं और अफसर उनके सामने पोलिटिक्ली बहुत मजबूत हैं। फूल वाले ने कहा कि वर्दी वाले मिश्रा जी को हटाने में मेयर से लेकर विधायक तक जुटे। मगर वो उनके कहने से नहीं हटे। जून वाला अल्टीमेटम मौन हो गया और वर्दी वालों ने सर्दी में गणतंत्र दिवस भी देखा और गर्मी में स्वाधीनता दिवस भी देखा। वो आये भी अपनी मर्जी से वो गये भी अपनी मर्जी से। फिर उन्होंने कहा कि जिस हाउस टैक्स को लेकर 100 पार्षदों वाला सदन कभी धरने पर बैठ रहा है। कभी मीटिंग बुला रहा है। उस सदन को अब ये बात समझ में आ जानी चाहिए कि देश के कद्दावर कैबिनेट मंत्री जब जिले में आये तो अफसर के सर पर फेर कर वो गये और इतना भी समझ आ जाना चाहिए कि वो प्रोटोकॉल से लेकर अफसर के बंगले पर तो जा सकते हैं लेकिन पार्टी प्रोटोकॉल में किसी सांसद, विधायक या मेयर से नहीं मिल सकते। भाजपाई ने कहा कि इतने पर ही ये समझ लेंगे या कुछ और बाकी रह गया है। उसने कहा कि इस अटल सत्य को अब सब मान लें कि पोलिटिक्स वालों की पकड़ मजबूत हो या ना हो। लेकिन अफसरों की पोलिटिक्ल पकड़ इतनी मजबूत है कि अगर वो अपनी पर आ गये तो तुम्हारी पोलिटिक्स की जड़े उखाड़ देंगे। मुलाहिजा पूरा सदन देख रहा है।

पार्षद ने कहा दो साल बाद पूछेंगे हम उन्हीं से उनका हाल

भगवागढ़ में कमाल की कुश्ती कमल वालों में चल रही है। जनता तो देश वालों और प्रदेश वालों के नाम पर जनादेश दे चुकी है लेकिन जिन्हें जनादेश मिला है वो किसी के आदेश नहीं मान रहे और उनका कोई आदेश नहीं मान रहा। सबसे बड़े जनादेश प्राप्त सदन में सीन भगवा संग्राम का चल रहा है। फूल वालों का लैटर है, फूल वालों का मैटर है और फूल वाले ही फूल वालों को सबक सिखाने की बात कर रहे हैं। किस्सा उस लैटर को लेकर चला जिसमें चार मौहल्ला प्रधानों में खोट निकालते हुए उन्हें ही निकालने की बात हुई है। चारों नामों में से एक नाम वाले ने कहा कि अगर उनसे हम निकाले जायें तो वो देर ना करें और कल का इंतजार ना करें आज ही हमें निकलवायें। फूल प्रधान भी इसके बाद खामोश नहीं हुआ और उसने कहा कि बस दो साल की बात और है। फिर हम उनका हाल पूछेंगे। उन्होंने कहा कि हम तो फिर भी लौट कर आयेंगे। लेकिन जो हमें निकलवाने की बात कर रहे हैं वो इस सदन में फिर नजर नहीं आयेंगे। फूल पार्षद ने कहा कि अकेले मेरा सीन नहीं है। मेरे अलावा सीन में तीन और भी हैं। उनके कहने से ना तो हम बाहर होने वाले और उनके कहने से हमें टिकट भी नहीं मिला और सुनो भाई साहब उनके कहने से तो हमें वोट भी नहीं मिली। किस बात का नखरा हमें दिखाया जा रहा है।

नीले लाला जी के तो सियासी ताजिये तो हो गये हैं ठंडे

लाला जी पोलिटिक्ल इंतकाम की आग में झुलस रहे हैं। हाथ वालों ने उनका साथ नहीं दिया और वो चुनावी आस में साईकिल वालों के साथ हो लिये। साईकिल वालों के यहां पोलिटिक्ल सितम की एक रस्म ये है कि वो सिम्बल देकर वापस ले लेते हैं। पूर्व विधायक इस बात की गवाही हैं और लाला जी के साथ भी यही सितम हुआ। लाला जी गुस्से में आकर साईकिल को छोड़कर हाथी पर सवार हो गये। अब पता नहीं महावतों ने हाथी को पटक दिया या हाथी ने महावतों को पटका है। लेकिन लाला जी के जोश में अब झटका लगा है। सुना है कि लाला जी अब उतना इन्ट्रेस्ट अब नहीं ले रहे हैं। हाथी वाले मुल्ला जी ने इस खामोशी पर तंज कसते हुए कहा कि लाला जी के सियासी ताजिये ठंडे हो गये हैं। आखिर वो कब तक खर्चा करते और काम करते। अब तो बस आप इंतजार करो कि फरमान इधर से आयेगा, कोई खुद ही जायेगा या बाहर किया जायेगा।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता तथा शिक्षक धीरज शर्मा ने अपनी फेसबुक पोस्ट के जरिए संदेश दिया कि लोग आपके छोटे-छोटे कामों को भी नोटिस करते हैं और यही छोटे-छोटे काम आपकी पर्सनालिटी को एक ब्रांड के रूप में विकसित करते हैं। धीरज शर्मा की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

मतभेद के बीच ईरानी राजदूत ऑस्ट्रेलिया से रवाना

पीएम अल्बानीज ने लगाए थे यहूदी विरोधी हमले के आरोप

कैनबरा । यहूदी विरोधी हमलों को लेकर राजनयिक मतभेद के बीच ऑस्ट्रेलिया में ईरान राजदूत अहमद सादगी ऑस्ट्रेलिया से रवाना हो गए हैं। बता दें कि कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने ईरान पर ऑस्ट्रेलिया में कम से कम दो यहूदी विरोधी हमलों करवाने का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने ईरान पर यहूदी विरोधी हमलों का निर्देशन करने का आरोप लगाते हुए ऑस्ट्रेलिया में ईरान के राजदूत और तीन अन्य कर्मियों को निर्देशित करने का आदेश दिया था।

अल्बानीज ने कहा था कि ऑस्ट्रेलियाई खुफिया सेवाओं ने सिडनी के एक रेस्टोरेंट और मेलबर्न की एक मस्जिद पर हुए हमलों के तार ईरान से जोड़े हैं। उन्होंने दावा किया था कि ईरान ने अक्तूबर 2024 में सिडनी स्थित कोषेर खाद्य कंपनी लुईस कॉन्टिनेंटल किचन और दो महीने बाद मेलबर्न के अदास इस्राइल सिनेगॉग पर आगजनी के हमले करवाए थे।

सिडनी और मेलबर्न में बढ़ीं यहूदी विरोधी घटनाएं

2023 में इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से इन दोनों शहरों में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है। अल्बानीज ने मुख्य जासूसी एजेंसी का हवाला देते हुए संवाददाताओं से कहा था कि एएसआईओ ने एक बेहद परेशान करने वाले निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए पर्याप्त विश्वसनीय खुफिया जानकारी जुटाई है। ईरानी सरकार ने इनमें से कम से कम दो हमलों का निर्देशन किया था। ईरान ने अपनी संलिप्तता छिपाने की कोशिश की है, लेकिन एएसआईओ का आकलन है कि हमलों के पीछे ईरान का हाथ था।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आतंकवादी संगठन घोषित करने की तैयारी वहीं, अल्बानीज ने ये भी कहा था कि ऑस्ट्रेलिया ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए कानून बनाएगा। अल्बानीज ने कहा, 'ये ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एक विदेशी राष्ट्र की ओर से अंजाम दिए गए असाधारण और खतरनाक आक्रामक कृत्य थे। ये सामाजिक एकता को कमजोर करने और हमारे समुदाय में कलह पैदा करने के प्रयास थे। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

यूक्रेन की राजधानी में रूसी हमले

तीन बच्चों समेत 12 लोगों की मौत

कीव । यूक्रेन की राजधानी पर गुरुवार तड़के रूस के ड्रोन और मिसाइलों के एक बड़े हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। इस दौरान करीब 45 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमला एक जगह शहर के बीचों-बीच भी किया गया।

अमेरिका के नेतृत्व में शांति प्रयास के बीच बड़ा हमला हमला ऐसे वक्त किया गया, जब तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में शांति प्रयास चल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात भी की थी। यह कीव पर पिछले कुछ हफ्तों में रूस का पहला बड़ा संयुक्त हमला था। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका आंतरिक मंत्री इहोर क्लिमेंको ने प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए बताया कि मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल मौके पर मौजूद हैं।

हमले के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'रूस बातचीत की मेज के बजाय बैलिस्टिक मिसाइलों को चुनता है। हम दुनिया के उन सभी लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं, जिन्होंने शांति का आह्वान किया है, लेकिन अब सैद्धांतिक रुख अपनाने के बजाय अक्सर चुप रहते हैं।' रूस ने ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं कीव के नगर प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि रूस ने ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। कीव के सात जिलों में कम से कम 20 जगहों पर इसका असर पड़ा। उन्होंने बताया कि शहर के केंद्र में स्थित एक शॉपिंग मॉल समेत लगभग 100 इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और हजारों खिड़कियां टूट गईं।

हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र पर फोकस, भारत ने वियतनाम

दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन के साथ की रक्षा बैठक

थाईलैंड। थाईलैंड में सीएचओडी 2025 (चीफ ऑफ डिफेंस) सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। भारत की तरफ से चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड स्टाफ, एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित इस सम्मेलन में शामिल हुए। इस सम्मेलन से इतर एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने वियतनाम, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के मुख्यालय ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि एयर मार्शल दीक्षित ने वियतनाम के डिप्टी चीफ ऑफ जनरल स्टाफ, लेफ्टिनेंट जनरल थाई दाई न्गोक के साथ बैठक की।

सुरक्षा सहयोग और समन्वय बढ़ाने पर हुई बात इनके अलावा एयर मार्शल दीक्षित ने दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल कांग दोंग जिल और ब्रिटेन के नेवल स्टाफ के प्रमुख जनरल सर ग्वेन जेनकिंस के साथ भी बैठक की। इन बैठकों में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने, नौसैन्य परिवहन को समन्वय, सैन्य अभ्यास और साझेदारी को विस्तृत करने पर चर्चा हुई। साथ ही तकनीक के क्षेत्र में भी सहयोग पर बात हुई। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ ने बताया कि इन बैठकों का उद्देश्य रणनीतिक चर्चा को बढ़ाना और शांति, सुरक्षा और स्थिरता की दिशा में साझा योगदान देना है। हिंद प्रशांत महासागर की सुरक्षा पर फोकस इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'इन बैठकों ने रणनीतिक संवाद को मजबूत करने, व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देने और हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में और उसके बाहर शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता के लिए सामूहिक रूप से योगदान देने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। एयर मार्शल दीक्षित ने अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल पापारो के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता की। इस बैठक में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रक्षा साझेदारी को मजबूत करने पर भारत के फोकस को रेखांकित किया।

थाईलैंड में आयोजित हुआ सैन्य प्रमुखों का सम्मेलन मुख्यालय आईडीएस के अनुसार, बैठक ने दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य इंडो-पैसिफिक में क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाना है। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित 26 अगस्त से 28 अगस्त तक आयोजित होने वाले वार्षिक रक्षा प्रमुखों के सम्मेलन (सीएचओडी) में भाग लेने के लिए थाईलैंड में हैं।

नेपाल के बीरगंज जिले में हैजा फैला, तीन की

मौत और 300 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती

बीरगंज । नेपाल के बीरगंज जिले में हैजा फैल गया है। बीते हफ्ते से जिले में हैजा के कई मामले सामने आए हैं और स्थिति इस कदर खराब है कि तीन लोगों की हैजा से मौत हो गई है और 300 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। नेपाल का बीरगंज जिला सीमावर्ती इलाका है और लंबे समय से सूखे की चपेट में है। हैजा फैलने की वजह भी सूखे को माना जा रहा है।

नेपाल में मानसून के मौसम में फैलती हैं बीमारियां बीरगंज जिले के नारायणी अस्पताल के डॉक्टर उदय नारायण सिंह ने बताया कि बीते शुक्रवार से हैजा के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। लोग डायरिया की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। कई मरीजों की जांच में उन्हें कोलेरा का संक्रमण मिला है। कोलेरा से ही हैजा की बीमारी होती है। नारायणी अस्पताल में ही कई वार्ड हैजा के मरीजों से भरे हैं। नेपाल में मानसून के मौसम में पानी और खाने संबंधी जनित बीमारियां बहुत फैलती हैं। इनमें हैजा भी प्रमुख है। हर साल हजारों लोग इस बीमारी की चपेट में आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी हैजा को एक वैश्विक संकट मानता है। हैजा से हो सकती है मौत हैजा एक संक्रमणकारी बीमारी है, जिससे संक्रमित मरीजों में उल्टी, दस्त की समस्या होती है।

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री ने क्वाड का किया

समर्थन, ट्रंप के टैरिफ पर भी साधा निशाना

अमेरिका । भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों को लेकर ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि हम भारत के साथ अपने संबंधों को कितना महत्व देते हैं, कितनी प्राथमिकता देते हैं। इसका मैंने डॉ. जयशंकर से किसी भी अन्य समकक्ष से ज्यादा मुलाकात की है, जो इस रिश्ते को हमारी प्राथमिकता को दर्शाता है। हम एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। मुझे लगता है कि आप ऑस्ट्रेलिया को एक बहुत ही विश्वसनीय, स्थिर साझेदार के रूप में देखते हैं जो आपके कई रणनीतिक उद्देश्यों को साझा करता है, जिन्हें मैं एक शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध क्षेत्र कहती हूँ जहाँ सभी संप्रभुता का सम्मान किया जाता है। इसलिए मुझे आपसे बातचीत करके बहुत खुशी हो रही है। जाहिर है, ऐसे कई क्षेत्र हैं जहाँ रणनीतिक तालमेल है, लेकिन मुझे लगता है कि इस रिश्ते में सबसे

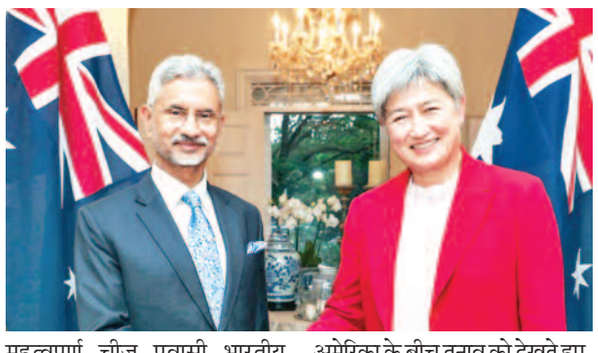

महत्वपूर्ण चीज प्रवासी भारतीय समुदाय है। और मुझे नहीं पता कि आप में से कोई यहाँ था या नहीं जब प्रधानमंत्री मोदी आए थे। लेकिन यह देखना वाकई बहुत भावुक करने वाला था कि कितने सारे ऑस्ट्रेलियाई भारतीय समुदाय के लोग विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। यह बहुत रोमांचक था। मैं आपसे बस यह समझना चाहता था कि भारत और अमेरिका के बीच तनाव को देखते हुए, मुझे पता है कि यह एक द्विपक्षीय संबंध है, लेकिन क्या आपको लगता है कि इसका असर क्वाड में भी महसूस किया जाएगा क्योंकि भारत वास्तव में क्वाड शिखर सम्मेलन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है और ऑस्ट्रेलिया भी इसका एक महत्वपूर्ण भागीदार है हम क्वाड के प्रबल समर्थक हैं और जाहिर है मैं इसे दूसरों पर छोड़ दूंगा।

भारत पर परमाणु हमला करो ट्रंप को मार डालो

मिनियापोलिस के शूटर की बंदूकों पर लिखे थे डराने वाले संदेश

वॉशिंगटन । अधिकारियों का मानना है कि उसने खुद को गोली मार ली। अब उसके डिलीट हो चुके यूट्यूब चैनल का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उसकी बंदूकों पर 'डोनाल्ड ट्रंप को मार डालो' और 'भारत पर परमाणु बम गिराओ' लिखा था।

अदालती रिकॉर्ड से पता चला है कि 2020 में उसने अपना नाम रॉबर्ट से बदलकर वेस्टमैन कर लिया था, वेस्टमैन से महिला होने का संकेत मिलता है। 'रॉबिन डब्ल्यू' नाम के एक यूट्यूब चैनल पर कम से कम दो वीडियो पोस्ट किए गए थे, इसस पहले कि साइट एडमिनिस्ट्रेटर की ओर से चैनल को बंद कर दिया गया। लगभग 10 मिनट लंबे और मोबाइल फोन से शूट किए गए एक वीडियो में हथियारों, गोला-बारूद और भरी हुई मैगजीन का जखीरा दिखाया गया। मैगजीनों पर

'डोनाल्ड ट्रंप को मार डालो', 'ट्रंप को अभी मार डालो', 'इस्राइल को हारना चाहिए' और 'इज्राइल को जलाकर राख कर दो' लिखा हुआ था। एक हथियार पर 'भारत पर परमाणु हमला' भी लिखा हुआ था। मैगजीनों पर 'तुम्हारा ईश्वर कहां है और 'बच्चों के लिए' भी लिखा हुआ था। एक पर पहले स्कूलों पर गोलीबारी कर चुके शूटरों के नाम और कुछ संदेश लिखे हुए थे। वीडियो में एक समय पर उस व्यक्ति ने एक छोटी बंदूक भी निकाली और कहा, 'यह मेरे लिए है। अगर मुझे इसकी जरूरत पड़े तो।' वीडियो में उस व्यक्ति के परिवार को लिखा एक पत्र भी दिखाया गया, जिसमें गोलीबारी से उनके लिए क्या मायने होंगे इसके लिए माफी मांगी गई है।

अमेरिका के मिनियापोलिस शहर में बुधवार को एक चर्च में प्रार्थना सभा में शामिल हो रहे स्कूली बच्चों पर गोलीबारी में दो छात्रों की मौत हो गई। इस दौरान 17 अन्य लोग घायल भी हुए। 23 वर्षीय रॉबिन वेस्टमैन नाम के शूटर ने तीन हथियारों एक राइफल, एक शॉटगन और एक पिस्तौल का इस्तेमाल किया और एनुंसिएशन कैथोलिक स्कूल के चर्च पर दर्जनों राउंड फायरिंग की। बाद में वेस्टमैन पार्किंग में वह मृत पाया गया

पाकिस्तान के पंजाब में बाढ़ से तबाही, 24 घंटे में 17 की मौत

लाहौर । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आई भीषण बाढ़ के कारण पिछले चौबीस घंटों में 17 लोगों की मौत हो गई। सैकड़ों गांव पानी में डूब गए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।. सतलुज, रावी और चिनाब नदियों में आई बाढ़ से बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सड़कों और पुलों को नुकसान पहुंचा है और लाखों एकड़ कृषि भूमि डूब गई है। 13 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले पंजाब प्रांत में यह तबाही मची है। पंजाब की आपातकालीन सेवा के मुताबिक, बीते 24 घंटों में बाढ़ के कारण 17 लोगों की मौत हुई। इनमें सात लोगों की सियालकोट, चार की गुजरात, नारोवाल में तीन, हाफिजाबाद में दो और गुजरांवाला में एक की मौत हुई। अधिकारियों ने बताया कि इन नदियों का जल स्तर सामान्य से बहुत ज्यादा है, जिसकी वजह भारी बारिश के साथ-साथ भारत के बांधों से कथित तौर पर छोड़ा गया अतिरिक्त पानी है।

भारत पर लगाया जल आक्रामकता का आरोप पाकिस्तान के संघीय विकास मंत्री एहसान इकबाल ने भारत पर 'जल आक्रामकता' का आरोप लगाते हुए कहा कि भारत ने अचानक बाढ़ जैसी स्थिति पैदा करते हुए एक तरह से पानी को हथियार बना लिया है। यह एक प्राकृतिक आपदा है, जिसे दोनों देशों मिलकर निपटना चाहिए था। इससे पहले अधिकारियों ने कहा था, भारत ने रावी नदी पर स्थित अपने थीन बांध के सभी गेट खोल दिए हैं। इसके बाद पंजाब सरकार ने लाहौर, ओकारा, फैसलाबाद, सियालकोट, नारोवाल, कसूर, सरगोधा और हाफिजाबाद जिलों में पाकिस्तानी की मदद मांगी है, ताकि राहत व बचाव कार्य चलाए जा सकें।

पानी छोड़ने की भारत ने पहले ही दी थी चेतावनी भारत ने पहले ही पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि वह तेजी से भर रहे माधोपुर बांध से पानी छोड़ेगा। ये दोनों बांध रावी नदी पर हैं, जो भारत से निकलकर पाकिस्तान में बहती है। रविवार को भारत ने 'मानवीय आधार' पर पाकिस्तान को राजनयिक चैनलों के जरिए बाढ़ की चेतावनी दी थी। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के अगले दिन भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए थे, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करना भी शामिल था। आमतौर पर बाढ़ की ऐसी सूचनाएं सिंधु जल आयोग के जरिए दी जाती हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के मुताबिक, बाढ़ का तेज बहाव अब निचले इलाकों की ओर बढ़ रहा है। चिनाब पर खांकी और कादिराबाद हेडवर्क्स और सतलुज पर गंडा सिंह वाला में पानी का स्तर बहुत ज्यादा है। रावी नदी पर जसर और शाहदरा इलाकों में भी बाढ़ का पानी खतरे के स्तर से ऊपर है, जिसके चलते लाहौर के कुछ हिस्सों से लोगों को निकाला गया है। बाढ़ से 10 लाख लोग प्रभावितः पंजाब सरकार पंजाब सरकार ने बताया कि अब तक ढाई लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है और राहत कार्य जारी हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने गुरुवार को बाढ़ से प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। राज्य सरकार का अनुमान है कि अब तक करीब 10 लाख लोग इस बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। सरकारी बयान के अनुसार, चिनाब नदी के किनारे बसे सियालकोट, वजीराबाद, गुजरात, मंडी बहाउद्दीन, चिनिओट और झांग जिलों के करीब 340 गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

नगर निगम की एक और लापरवाही :

इंदिरापुरम में नाले को खुला छोड़ा स्कूटी सहित युवक गिरा नाले में

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम की लापरवाही का एक और उदाहरण सामने आया है। नगर निगम की लापरवाही से एक युवक की जान भी जा सकती थी। शहर के इंदिरापुरम वार्ड 99 में नगर निगम ने नाले की सफाई के लिए नाले को खोला था। लेकिन उसे कवर करना भुल गया। मामला गौर ग्रीन सिटी के मार्किट का है।

पूरी घटना का वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सामान लेने के बाद जैसे ही युवक ने स्कूटी को टर्न किया, वह स्कूटी के साथ सीधे नाले में गिर गया।

युवक को नाले में गिरता देख वहां मौजूद बच्चों ने शोर मचा दिया। शोर सुनकर एक निजी सुरक्षा गार्ड सीढी के साथ वहां पहुंचा और किसी तरह युवक को नाले से बाहर निकाला। युवक को कई जगहों पर चोट लगी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारी सुन नही रहे हैं। क्या अधिकारी किसी के मरने का इंतजार कर रहे है।

या विरोध प्रदर्शन, सड़क जाम की भाषा समझते हैं। लोगों ने कहा कि उन्हें विरोध प्रदर्शन करना भी आता है। आज का समय दिया जाता है यदि समाधान नहीं होता है तो हमारे पास विरोध के सभी रास्ते खुल है। यह आग्रह नहीं चेतावनी है। जिम्मेदारों के लिए।

किसानों को मिले बारिश से हुए नुकसान का मुआवजा, रालोद नेता ने प्रधानमंत्री से लगाई गुहार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू ने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखकर देश भर में भारी बारिश से प्रभावित किसानों को तत्काल राहत देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बारिश से किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरदार टीटू ने अपने पत्र में लिखा है कि इस समय देश के हर कोने में अत्यधिक बारिश हो रही है, जिससे चारों तरफ नुकसान ही नुकसान दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आम जनता और व्यापारियों को भी भारी परेशानी हो रही है। किसानों की मेहनत और फसल पर लगी लागत खत्म होती नजर आ रही है, जिससे अन्नदाता को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि किसानों के नुकसान की भरपाई की जाए, ताकि उनकी हिम्मत न टूटे और वे फिर से खेती का काम शुरू कर सकें। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि देश की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है, जिसका प्रमाण कोरोना महामारी के दौरान भी देखने को मिला था। सरदार टीटू ने सुझाव दिया कि किसानों को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए एक समिति का गठन किया जाए।

इस समिति के सदस्य हर जिले में जाकर नुकसान का आकलन कर सकें। इसके अलावा, उन्होंने यह भी मांग की कि सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को किसानों के नुकसान की भरपाई करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाएं।

- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमें पार्षद वेलफेयर वाली जो एसोसिएशन बनी है, उसमें नहीं दिख रहा है ज्यादा दम? कहने वाले ने कहा कि दम इसलिए कम दिख रहा है क्योंकि उसमें मैम्बर है बहुत ही कम? 100 में से 34 पार्षद ही हैं वेलफेयर कमेटी में साथ? 66 मैम्बरों ने दूरी बनाई हुई है, अब खुद ही आप बतायें, ये कहां का है इंसाफ? 100 में से 34 का होना ऐसा लग रहा है जैसे कोई पिछली बैंच पर बैठने वाला स्टूडेंट प्रमोटेड हुआ हो पास?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवागढ़ के एक शर्मा मैम्बर को ले लेनी चाहिए राहत? अब बड़े वाले साहब का चला गया है किसी दूसरे चेहरे पर ध्यान? सुना है पहले उनके टारगेट पर शर्मा जी थे? अब टारगेट पर हैं नदिया पार के ठाकुर श्रीमान? कहने वाले ने कहा कि अगर ठाकुर साहब इतना नहीं मचा रहे होते शोर? तो कबके खुल गये होते जो रखी थी डिमांड, उनके डोर? मगर मामला जब किसी का रडार पर हो? तो फिर ऐसे ही कर दिया जाता है मुद्दों को इग्नोर?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जब नहीं हुआ था इन्दिरापुरम का हैंडओवर? तब यहां के पार्षद मिस्टर तोमर, मिस्टर धीरज, मिस्टर अभिनव और मिस्टर कड़ाकोटी एक ही टीम में रहकर डालते थे शिकायतों के ओवर? किसी भी समस्या पर ये करते थे संयुक्त रूप से साईन? जो देखने में हमें लगता था बहुत ही फाईन? मगर जब से हैंडओवर वाला हुआ है समाधान? तब से इन्दिरा जी वाले एरिया में समस्याओं ने ले लिया है विकराल रूप? अब नहीं दिया जा रहा संयुक्त हस्ताक्षर वाला पैगाम?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** नदिया पार की मैडम भंडारी मुद्दे ऐसे रखती हैं धारदार जैसे चला रही हों किसी के सीने पर आरी? न्यायखंड-2 वाला ठेका जैसे ही हुआ न्यायखंड-1 में शिफ्ट? यहां पर मौजूदा वाले मैम्बर को टारगेट पर रखकर मैडम ने मारा जोरदार स्वीफ्ट? कहा ठेका इतनी आसानी से उस वार्ड इस वार्ड में आ गया साहब? क्या बतायें हमारे मैम्बर के राज में तो चल रहा है रामराज?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमारी थी शारदा जी व्यापारियों वाले प्रोग्राम पर नजर? हमें लग रहा था कि स्वदेशी के नाम पर सैंकड़ों की संख्या में एकत्रित हो जायेंगे व्यापारी? इतनी भीड़ कैसे मैनेज होगी, हमें हो रही थी इस बात की फिक्र? मगर हमने देखा कि चंद चेहरों ने ही इस कार्यक्रम में आना समझा जरूरी? बाकी व्यापारी बना गये इस प्रोग्राम से दूरी? खुद योद्धा के भी नहीं हो रहे थे इस कार्यक्रम में दीदार? ऐसा लग रहा था कार्यक्रम उतना मजबूत नहीं हो पाया? जितनी शिद्दत से दिया गया था उसका पैगाम? कहने वाले ने कहा आ जाती इस कार्यक्रम में ठीक-ठाक भीड़? अगर गाजियाबाद के भगवा व्यापारियों ने दिया होता इस पर बारीकी से ध्यान?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमारी आप पहुंचा देना अध्यक्ष जी तक बात? हम चाहते हैं वो पार्टी कार्यालय पर लगायें किसी की परमानेंट ड्यूटी? हम गये थे दोपहर को वहां पर हमें हुआ था सूनेपन का एहसास? संवाद करने के लिए भी मौके पर नहीं था कोई चेहरा मौजूद? कहने वाले ने कहा अध्यक्ष जी को इस पर विचार कना चाहिए खूब? कार्यालय पर होते रहने चाहिए किसी ना किसी के दीदार? यूं इस तरह का खालीपन हमें नहीं होता स्वीकार?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** कार्यालय के सूनेपन पर हमें एक अध्यक्ष जी के खास ने दी प्रतिक्रिया स्पष्ट? उन्होंने कहा ये मामला बाईचांस का है, रहती है यहां पूरी रौनक? बस किसी एक की उपस्थिति से होता है कईयों को कष्ट? खास दे रहा था किसी त्याग की भावना रखने वाले नेता को लेकर ये संदेश? वो कह रहा था जब भी ये चेहरा कार्यालय पर होता है? तो यहां पर आने से दूरी बना लेते हैं काफी सारे फेस?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** आजकल क्रांसिग वाली मैडम जो देती है तरह- तरह की राय? सुना है वो कुछ बड़ा देना चाहती हैं पैगाम? हमने देखा उन्होंने दुआ में याद रखने वाले विधायक जी की धर्मपत्नी को संदेश के माध्यम से दिया बहुत ही खूबसूरत पैगाम? कहने वाले ने कहा लगता है वो बड़े दिल वाले विधायक के रास्ते पूरी करना चाहती हैं अपनी मुराद? कहने वाले ने कहा उनकी मुराद होनी भी चाहिए पूरी? क्योंकि इतनी सक्रियता दिखाने के बावजूद आज तक उतना कुछ नहीं आया है इनके हाथ?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम देख रहे हैं बन रहा है गाजियाबाद में गजब का योग? शहर वालों के साथ जहां यहां के सभी भगवा कमिश्नर डटे हुए नजर आते हैं? कुछ ऐसा ही दिखता है साहिबाबाद वालों के यहां भी योग? यहां के भगवा कमिश्नर भी देते हैं पूरी तरह हैवीवेट वालों के साथ होने का संदेश? जब कोई कह रहा था एक बात? तब किसी ने चुप कराया बीच में सामने वाले का फेस? कहा काफी हद तक ठीक है आपका तर्क? मगर यहां पर है कुछ फर्क? साहिबाबाद वाले सभी भगवा कमिश्नर खड़े नजर आते हैं संगठन के साथ? अगर यकीन नहीं आता तो उठा कर देख लो सभी पुराने कार्यक्रमों का इतिहास?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमें नदिया पार के असरदार सरदार की लगती है अच्छी अदा? वो जो कहना होता है वो कह देते हैं स्पष्ट? भले ही कोई पास रहे या फिर हो जाये जुदा? उन्होंने हाल ही में बताया है वर्तमान से लेकर पूर्व के मेयरों में अशु जी को बेस्ट? कहा है कि उनका कार्यकाल रहा सबसे यादगार? हमने देखा ये बात मिस्टर सरदार खुले में कह रहे थे? वो इस बात को कर रहे थे भरी महफिल में स्वीकार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को मिलेगी मीटर रीडिंग से निजात : दीपक अग्रवाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मुख्य अभियन्ता (वितरण) गाजियाबाद क्षेत्र-तृतीय, दीपक अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह सही रीडिंग रिकॉर्ड कर रहे हैं और इसमें किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है।

मुख्य बातें:

- गाजियाबाद में लगभग 11 लाख स्मार्ट मीटर लगने हैं, जिनमें से 1 लाख मीटर अब तक लगाए जा चुके हैं।
- स्मार्ट मीटर से उपभोक्ता प्लेस्टोर से एप डाउनलोड कर अपनी विद्युत खपत की मॉनिटरिंग कर सकते हैं और ऑनलाइन रिचार्ज भी कर सकते हैं।
- मीटर रीडर और मैनुअल रीडिंग से छुटकारा पाने का बेहतर विकल्प है स्मार्ट मीटर।
- कुछ लोग निजी स्वार्थवश यह भ्रांति फैला रहे हैं कि स्मार्ट मीटर तेज चलता है।
- विभाग ने इस संदेह को दूर करने के लिए 5% उपभोक्ताओं पर पुराने मीटर को चेक मीटर की तरह रखा।
- लगभग 300 उपभोक्ताओं पर औचक निरीक्षण में पाया गया कि पुराने और स्मार्ट दोनों मीटरों की खपत बराबर थी।

मुख्य अभियन्ता दीपक अग्रवाल ने कहा कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह पारदर्शी हैं और उपभोक्ता को सही रीडिंग मिल रही है। उन्होंने सम्मानित उपभोक्ताओं से अपील की कि वे स्मार्ट मीटर का प्रयोग कर विभाग को सहयोग दें।

राजनगर एक्सटेंशन की सफाई व्यवस्था पर जी.डी.ए. सख्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के अंतर्गत राजनगर एक्सटेंशन में सड़कों की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए गुरुवार को एक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निर्देश पर हुई, जिसमें फेडरेशन ऑफ राजनगर एक्सटेंशन और आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में मुख्य चर्चा : बैठक में मुख्य रूप से इलाके की सफाई व्यवस्था पर चर्चा हुई। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि उसने सोसाइटियों से निकलने वाले कूड़े के निस्तारण के लिए एक फर्म को अधिकृत किया हुआ है। इसके बावजूद, कुछ सोसाइटियां निजी और अनाधिकृत व्यक्तियों के माध्यम से कूड़े का निस्तारण करवा रही हैं। ये लोग अक्सर कूड़े को सड़कों के किनारे फेंक देते हैं, जिससे सफाई व्यवस्था तो प्रभावित होती ही है, साथ ही बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है और पर्यावरण भी प्रदूषित होता है।

आरडब्ल्यूए का आश्वासन

करंट क्राइम। फेडरेशन और आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों ने इस समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि वे सभी आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ मिलकर एक सहमति बनाएंगे कि भविष्य में कूड़ा केवल प्राधिकरण द्वारा अधिकृत फर्म को ही दिया जाएगा। इससे कूड़े का निस्तारण सही और व्यवस्थित तरीके से हो पाएगा।

पूरे उत्तर प्रदेश में व्यापारी चलाएंगे स्वदेशी जन जागरण अभियान

1 से 15 सितंबर तक चलेगा हस्ताक्षर अभियान हर गांव, शहर और मोहल्ले में होगा आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश में व्यापारी वर्ग और व्यापार प्रकोष्ठ के अलग-अलग संगठन मिलकर जल्द ही एक बड़ा अभियान चलाने वाले हैं। यह अभियान स्वदेशी जागरण अभियान के नाम से चलाया जाएगा। इसमें विदेशी छोडो स्वदेशी अपनाओ का संदेश दिया जाएगा। इसके साथ ही एक से 15 सितंबर तक प्रदेश के हर गांव, शहर ,मोहल्ले और व्यापार मंडल के साथ ही अधिवक्ताओं, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं के बीच जाकर उनको जागरूक किया जाएगा। जिस तरीके से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर टैरिफ लगा रहे हैं ,तो भारत भी विदेशी सामान से तौबा करते हुए स्वदेशी को अपनाएगा। गुरुवार को व्यापार प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के संयोजक विनीत शारदा गाजियाबाद पहुंचे। यहां अनुज मित्तल संयोजक अनिल अग्रवाल सांवरिया सहसंयोजक व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा महानगर गाजियाबाद द्वारा विनीत शारदा का स्वागत किया गया। तो वहीं उन्होंने व्यापारियों के साथ बैठक की। इस दौरान विनीत शारदा का व्यापारी नेताओं और कार्यक्रम में पहुंचे, भाजपा सदस्यों ने भी स्वागत किया।

गाजियाबाद पहुंचने पर व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा का हुआ स्वागत

विदेशी सामान का करेंगे बहिष्कार, स्वदेशी पर देंगे जोर

करंट क्राइम : पत्रकारों से बातचीत करते हुए व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा ने कहा है कि विदेशी सामान का बहिष्कार कार्यक्रम चलाया जाएगा। तो स्वदेशी को अपनाने पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए अधिवक्ताओं, चिकित्सकों, बुद्धिजीवी वर्ग, व्यापारियों और अन्य युवाओं से लेकर संगठनों का समर्थन लिया जाएगा, उनसे अपील भी की जाएगी कि विदेशी सामान ना लें।

विनीत शारदा की व्यापारियों का उत्पीड़न करने वालों को चेतावनी कहा 6 महीने बाद सपा मानसिकता वाले अधिकारी हटेंगे

करंट क्राइम : गाजियाबाद पहुंचे व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा से दैनिक करंट क्राइम ने पूछा कि गाजियाबाद में इन दिनों पुलिस अतिक्रमण के नाम पर व्यापारियों के चालान काट रही है। तो वहीं पैठ व्यापारियों के बाजार और अन्य समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। इस पर उन्होंने कहा है कि योगी आदित्यनाथ अगले 6 महीने में बड़ा अभियान शुरू करने वाले हैं। जिसके तहत समाजवादी पार्टी की मानसिकता वाले अधिकारियों को उनके पद से हटाया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा ऐसे अधिकारियों की पूरी लिस्ट तैयार कर ली गई है। साथ ही उन्होंने कहा है कि वह व्यापारियों के साथ हैं और व्यापारियों के सम्मान और उनके साथ होने वाले हर फैसले में सबसे आगे मौजूद रहेंगे।

व्यापारियों से भी की अपील, अतिक्रमण न करें

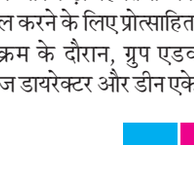

करंट क्राइम : हालांकि व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा ने यह भी कहा है कि व्यापारी भी अतिक्रमण न करें, वह नियमों को माने और मनमर्जी ना होने दें।

विनीत शारदा का हुआ गाजियाबाद में स्वागत

करंट क्राइम : व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा गाजियाबाद पहुंचे, तो यहां अनुज मित्तल, अनिल अग्रवाल सांवरिया, प्रवीण शर्मा, कुंज किशोर, प्रमोद, कपिल और सुनील द्वारा उनका स्वागत किया गया। साथ ही उनको पुष्प गुच्छ एवं पटके भी भेंट किए गए।

आईसीआईएम के चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह ने क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त से की चर्चा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। इंडियन काउंसिल ऑफ इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट (आईसीआईएम) के चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह ने ग्रेटर नोएडा स्थित क्षेत्रीय भविष्य निधि के आयुक्त वैभव सिंह से भेंट कर प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान इस योजना के उद्देश्यों और उद्योग जगत को मिलने वाले लाभों पर विशेष रूप से विचार-विमर्श हुआ।

इस अवसर पर चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह ने कहा कि इंडियन काउंसिल ऑफ इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट केउद्योगों, पेशेवरों और नियोक्ताओं के बीच इस योजना की अधिकतम जानकारी और प्रचार सुनिश्चित करेगा, ताकि अधिक से अधिक संस्थान सरकार की इस पहल का लाभ उठा सकें। वैभव सिंह ने आश्वासन दिया कि इस योजना को पारदर्शी और प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि नियोक्ता और कर्मचारी-दोनों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

राजकुमार गोयल इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में ओरिएंटेशन 2025 संपन्न

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजकुमार गोयल इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में वर्ष 2025-26 के नए छात्रों के लिए एक भव्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज की वाइस चेयरवूमन, श्रीमती आंचल गोयल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कॉलेज के ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, डायरेक्टर डॉ. राकेश गोयल, डीन एकेडेमिक डॉ. मनोरमा शर्मा, डॉ. अरुण कुमार पांडे, निधि गर्ग, मनीष कुमार, डॉ. आभा वत्स, संदीप सिंह, डॉ. राशि सक्सेना, खुशबू पांडे और नेहा कांबोज ने नए छात्रों को संबोधित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आंचल गोयल ने अपने संबोधन में छात्रों को बड़े सपने देखने, चुनौतियों से सीखने और कड़ी मेहनत से अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान, ग्रुप एडवाइजर, कॉलेज डायरेक्टर और डीन एकेडेमिक ने संयुक्त रूप से छात्रों को अनुशासन बनाए रखने और लगातार सीखने पर जोर दिया। उन्होंने आने वाले चार सालों में अपने कोर्स के प्रति पूरी तरह समर्पित होकर अपनी स्किल्स को निखारने की सलाह दी।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण और सहायक स्टाफ मौजूद रहे, जिन्होंने नए छात्रों का स्वागत किया और उन्हें कॉलेज के माहौल से परिचित कराया।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।